मूल्य रु. ५-००

श्री स्वामिनारायण

मासिक

प्रकाशन दिनांक प्रत्येक महिने की ११ तारीख ● पूर्ण अंक १९४ ● सितम्बर -२०२३

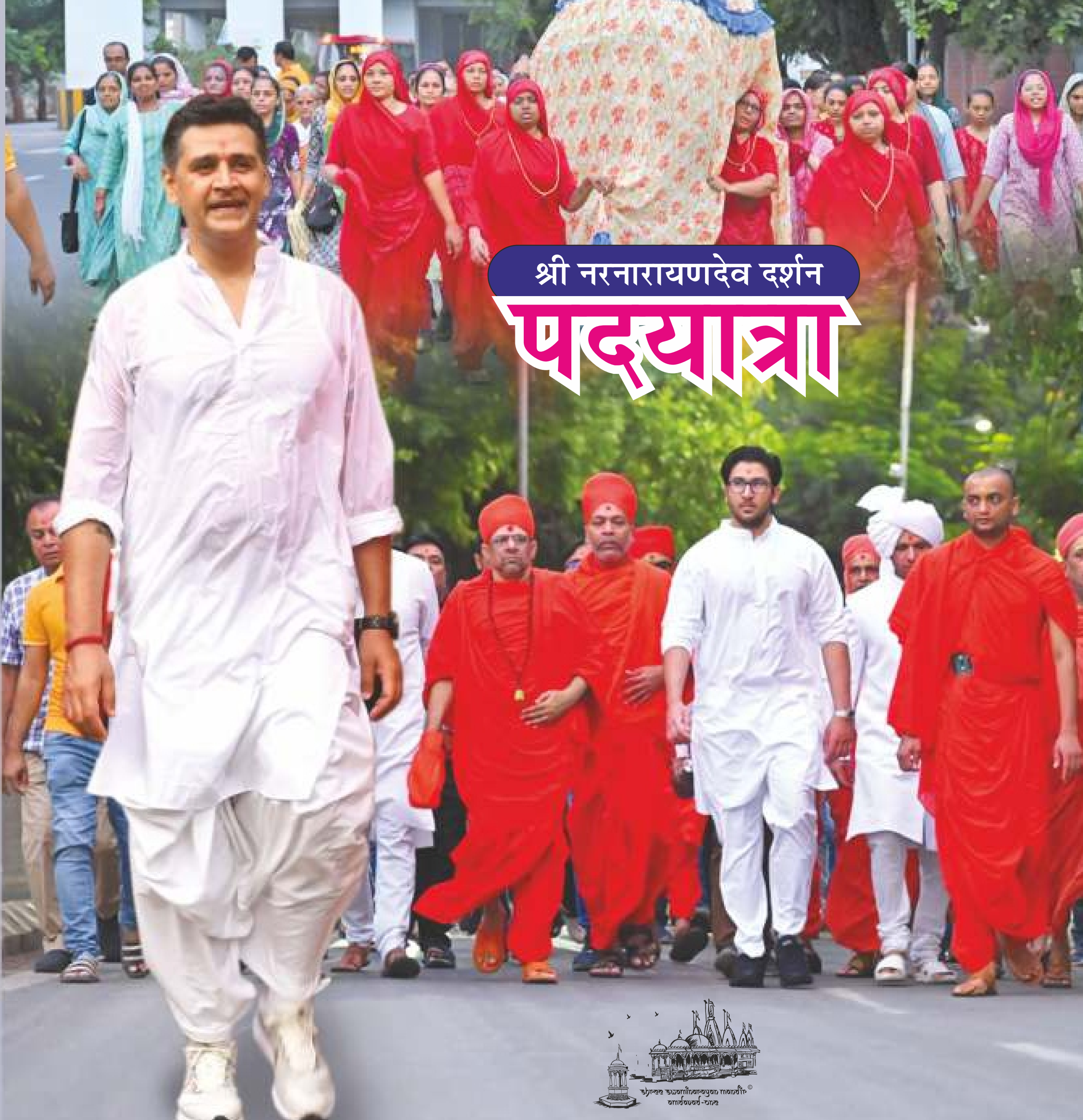

प्रकाशक : श्री स्वामिनारायण मंदिर अहमदाबाद-३८०००१.

अहमदाबाद सिंधु भवन हाल में रात्रि पारायण के अवसर पर सभा में आशीर्वाद देते प.पू. लालजी महाराजश्री तथा प.पू. आचार्य महाराजश्री ।

बापुनगर एप्रोच मंदिर में ठाकुरजी की अन्नकूट आरती उतारते प.पू. आचार्य महाराजश्री ।

दिल्ली मंदिर के पाटोत्सव के अवसर पर ठाकुरजी का अभिषेक करते प.पू. लालजी महाराजश्री ।

अहमदाबाद मंदिर में प्रत्येक पूर्णिमा को सत्संग सभा अंतर्गत श्रावणी पूनम पर आशीर्वाद देते हुए प.पू. लालजी महाराजश्री ।

सिध्धपुर मंदिर के पाटोत्सव अवसर पर सभा में आशीर्वाद देते हुए प.पू. आचार्य महाराजश्री ।

नारणपुरा मंदिर में अधिक मास के अवसर पर अन्नकूट आरती ।

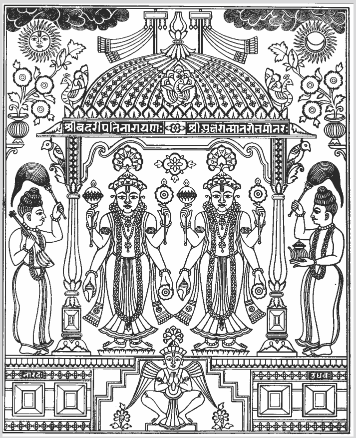

संस्थापक

श्री नरनारायणदेव पीठाधिपति

प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री १००८

श्री तेजेन्द्रप्रसादजी महाराजश्री

श्री स्वामिनारायण म्युजियम

नारायणपुरा, अहमदाबाद.

फोन : २७४९९५९७ ● फोक्स : २७४१९५९७

www.swaminarayanmuseum.com

श्री नरनारायणदेव पीठाधिपति

प.पू.ध.धु. आचार्य १००८

श्री कोशलेन्द्रप्रसादजी महाराजश्रीकी

आज्ञा से

तंत्रीश्री

स.गु. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी

(महंत स्वामी)

मो. ९३१३७१९२३२

पत्र व्यवहार

श्री स्वामिनारायण मासिक कार्यालय

श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर,

अहमदाबाद-३८० ००१.

मो. ९३१३७०६०९५

magazine@swaminarayan.in

www.swaminarayan.info

पतेमें परिवर्तन के लिये

E-mail : manishnvora@yahoo.co.in

श्री स्वामिनारायण

श्री नरनारायणदेव पीठस्थान मुखपत्र

वर्ष - १७ ● अंक : १९४ ● सितम्बर-२०२३

अ नु क्र म णि का

०१. अस्मदीयम् ०४

०२. प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री, प.पू. लालजी महाराजश्री के कार्यक्रम की रुपरेखा ०५

०३. श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर में अधिक श्रावण महीने में मनाये गये उत्सव ०६

०४. जड को भट्ट किये ११

०५. अधिक मास में कथा श्रवण १७

०६. मेऊ १८

०७. श्री स्वामिनारायण म्युझियम के द्वार से १९

०८. भक्ति सुधा २०

०९. सत्संग समाचार २१

अस्मदीयम्

अपना मन अति चंचल होता है। और स्वतंत्र भी है। जीवन में मन की मुख्य भूमिका होती है। संत और शास्त्र मन को दृढ करने के लिये बताये गये है।

मन के संकल्प में सृजन और संहार की शक्ति होती है। इस पूर्ण शक्ति से हम अनजाने होते है। यह पहेली अवश्य है। अपने मन को पहचानना उसे पहचान कर इसका सद्उपयोग करें।

रंग महल के घनश्याम महाराज का दर्शन करते समय मन स्थिर रहता है। एकाग्र दृष्टि रखकर दर्शन में वृत्ति रहे यह सत्य है। लौकिक दर्शन करते है ?

श्रीजी महाराज भगवान का दर्शन श्रवण, ध्यान और पूजा आदि में मन सहित - एकाग्र मन से करने की आज्ञा दिये है। महाराज का दर्शन करते समय वहाँ पर कोई मानव या अन्य कोई आता है। उस समय दर्शन की वृत्ति हटाकर मिला दर्शन करने पर यह लौकिक दर्शन कहा जाता है। इस लिये महाराज का दर्शन करते समय ईधर-उधर दृष्टि या बात नही करनी चाहिए। मन में अलौकिक भाव रखकर दर्शन करना चाहिए। दृष्टि बदलकर मूर्ति को अन्तर में उतारते जाना चाहिए। तो ही भजन स्मरण करते समय मन में महाराज को रखे।

श्रीजी महाराजने हम लोगो के मन की सूचना रहती है। सारंगपुर के दूसरे वचनामृत में विस्तार से दर्शन में विवेक रखने की बात कहे है।

इसी प्रकार ही 'श्री स्वामिनारायण' महामंत्र का जाप करते समय मन को भ्रमित नही रखना चाहिए। इस कारण से जाप करने का फल व्यर्थ हो जाता है। जाप करते समय महाराज का पूरा जीवन दृष्टि समक्ष रहे तो वह मंत्र शक्ति बनती है। जाप करते समय दूसरे विचार आने पर विचार जप बन जाता है। फल भी उसी तरह मिलता है। इस लिये भजन-स्मरण मन लगाकर करने से उसका फल मिलता है।

इस लिये इस चातुर्मास में हम सभी मिलकर मन लगाकर महाराज की भजन भक्ति में लगे रहे। ऐसी नरनारायणदेव के चरणो में प्रार्थना करता हूं।

संपादकश्री (महंत स्वामी)
शास्त्री स्वामी पुरुषोतमप्रकाशदासजी का
जयश्री स्वामिनारायण

प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री कार्यक्रम की

रुपरेखा (अगस्त-२०२३)

३से९	श्री स्वामिनारायण मंदिर शिकागो (अमेरिका) रजत जयंती पाटोत्सव के अवसर पर आगमन।
१९	श्री स्वामिनारायण मंदिर सिद्धपुर अधिक मास पाटोत्सव के अवसर पर पधारना।
२०	श्री स्वामिनारायण मंदिर एप्रोच बापूनगर समूह महापूजा के अवसर पर पधारना।
२७	श्री नरनारायणदेव के दर्शन हेतु अहमदाबाद शहर के सभी क्षेत्रो में आयोजित पदयात्रा के अवसर पर श्री स्वामिनारायण बाग मेमनगर से पदयात्रा की गयी।

प.पू. लालजी महाराजश्री के कार्यक्रम की रुपरेखा

(अगस्त-२०२३)

२से६	श्री स्वामिनारायण मंदिर शिकागो (अमेरिका) रजत जयंती के पाटोत्सव पर पधारना।
९से१२	श्री स्वामिनारायण मंदिर क्वीलैण्ड (अमेरिका) १५ वाँ पाटोत्सव के अवसर पर पधारना।
१२से१३	श्री स्वामिनारायण मंदिर टोरोन्टो कनाडा का १५ वाँ पाटोत्सव के अवसर पर पधारना।
२०	श्री स्वामिनारायण मंदिर नई दिल्ही पाटोत्सव के अवसर पर पधारना।
२७	श्री नरनारायणदेव के दर्शन हेतु अहमदाबाद शहर के सभी क्षेत्रो में आयोजित पदयात्रा के अवसर पर श्री स्वामिनारायण बाग मेमनगर से पदयात्रा की गयी।

श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर में अधिक श्रावण महीने में मनाये गये उत्सव

हरि भजता सहु मोटप पामे,
जन्म मरण दुःख जाये रे,
पारस परसी लोह कंचन थई,
मोंघे मूले वेचाय रे हरि.

स.गु. मुक्तानंद स्वामी

अधिक मास भगवान के शरण में गया तो मलमाल मिटकर ''पुरुषोत्तम मास'' की संज्ञा प्राप्त किया । इसे अधिक महानता मिली । सत्कर्म करने वाले भक्तजनो को भी भगवान की कृपा प्राप्त हो । इस उद्देश्य से प्रत्येक अधिक मास में अपने अमदावाद मंदिर में पूरे वर्ष एक ही महीने में उत्सव मनाया गया था । इसी परम्परा में इस वर्ष के पवित्र अधिक मास में मनाया गया । श्री नरनारायणदेव की परमकृपा से प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा से साथ पूरे धर्मकुल परिवार के शुभ आशीर्वाद से और सानिध्य में स.गु. महंत शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी की प्रेरणा मार्गदर्शन से प्रत्येक छोटी सी बडी सेवा के यजमानश्री तथा संतो-भक्तो के साथ सहयोग से ता. १८-०७-२०२३ से १६-०८-२०२३ तक उल्लास के साथ दिव्य रुप में कई उत्सव मनाये गये थे । तिथि और तारीख की सूची जुलाई-२३ के अंक में प्रकाशित हुई है । इसे पुनः नही लिखना है । प्रत्येक उत्सव में मंदिर के ओच्छव मंडल द्वारा नंद संतो द्वारा रचित पदो का गायन वाद्य यंत्रो के साथ करके श्री नरनारायणदेव की कृपा प्राप्त किये थे ।

(१) ग्वालबाल दर्शन और कुंजगली दर्शन : दोनो उत्सव में राधाकृष्ण देव के समक्ष आसोपालव तुलसी, फूल के पौधे और लताओ से बनी उसी तरह की वृंदावन के दृश्य की रचना करने में आयी थी । कार्तिक सुद-८ के दिन प्रातः काल में पूर्व कन्हैया ने सर्व प्रथम अपने बाल सखा गोपो के साथ वृंदावन में गाये चराने का दृश्य दर्शाया गया था । जिसकी स्मृति रुप में मुरली मनोहर बाल कृष्ण तथा हलधर दाऊ भैया के साथ गाय और बछडे-बछडियो का अद्भूत दर्शन कराया गया । श्रीकृष्ण भगवान ने उत्तम गोपवेश के वस्त्र पहनाया गया था । कुंजगली में राधाजी सहित बालकृष्ण का सुंदर दर्शन कराया गया था ।

(२) रथयात्रा : श्री जगन्नाथपुरी में अति प्राचीन समय से मनाया जाने वाले इस परम्परा में श्री नरनारायणदेव के समक्ष अश्व सहित सुअलंकृत रथ उत्तराभिमुख स्थापन करके उसमें ठाकुरजी को बैठाकर आरती की गयी थी ।

सुर नर मुनि सब आये, दर्शहित रथयात्राकुंजनि रे,
विविध भाँती बाजंत्र बजावत, बोलत जय-जय वानि रे

(स.गु. मुक्तानंद स्वामी)

(३) श्री नरनारायणदेव का पाटोत्सव : वि.सं. १८७८ के फाल्गुन सुद-३ के दिन विश्व का सर्वप्रथम मंदिर कालुपुर में श्रीहरि भरतखंड के अधिष्ठाता उपास्यदेव स्वरुप श्री नरनारायणदेव को विश्वास में लेकर मध्य सिंहासन पर बैठाकर अपने हाथो से प्रतिष्ठा करके उत्सव की परम्परा में **प.पू. लक्ष्मी स्वरुपा बड़े गादीवालाश्री** यजमान पद से प.पू. महाराजश्री तथा प.पू. लालजी महाराजश्री के करकमलो द्वारा देवो का अभिषेक तथा अन्नकूट आरती की गयी ।

जोईने नरनारायण नाथ, हेते मण्या भरीने बाथ,
मध्यना मंदिर मां बेसारी, पोते आरती उतारी.

हजारो भक्तजन दर्शन करके दिव्य सुख लिये थे ।

(४) परशुराम जयंती : आंतरिक लोभ युक्त शत्रुता लेकर सहस्त्रार्जुन राजा ने परशुराम के पिता जमदग्नि ऋषि की कामधेनु गाय चोरी कर लिये थे । सहस्त्रार्जुन के पुत्रो ने यमदग्नि का सिर काट लिये थे । इसीप्रकार मद से मस्त बने दुष्ट आत्मा ऐसे राजा तथा उनके पाँच हजार पुत्रो को हाथ में फरसा लेकर श्री विष्णु के अवतार ऐसे श्री परशुराम ने २१ बार पृथ्वी को क्षत्रिय मुक्त किये थे । उस अवतार के प्रगट की स्मृति रुप में श्री नरनारायण भगवान को श्री परशुरामजी का स्वरुप धारण कराके दिव्य दर्शन कराया गया था ।

(५) गणेश पूजन और हनुमानजी की पूजा : भाद्रमास सुद-४ के दिन साक्षात् गोलोकाधिपति श्रीकृष्ण शंकर के पुत्र के रुप में गणपति के नाम से प्रगट हुए थे । उस

समय समस्त देवगण महोत्सव मनाते थे। श्रीहरि भी इस दिन को उल्लास पूर्वक गणेशजी की पूजा करते शंकर सुवन केशरी नंदन रामदूत हनुमानजी धर्मकुल के कुल देवता है। भगवान की सेवा में मुखिया है। श्रीहरिने शिक्षापत्री में धर्मवंशी आचार्यश्री ने आश्विनवद-१४ के दिन हनुमानजी की पूजा-अर्चन करने का आदेश दिये है। इसी परम्परा में दोनो देवो को अन्नकूट, आरती आदि का धर्मकुल के हाथो द्वारा पूजन किया गया था।

(६) वसंत पंचमी, हवेली घनश्याम महाराज का पाटोत्सव :

चालो सखी हु बसंत वधावा धर्मवंशी ने द्वार
जोता वदन श्री धर्मकुंवरनुं मटे अंग मदन विकार....चालो
(स.गु. प्रेमानंद स्वामी)

भगवान श्री कृष्ण प्रातःकाल रैवताचल (गिरनार) पर वसंत मनाये और श्रीहरिने कई धाम में वसंतोत्सव की स्मृति में ठाकुरजी को सफेद वस्त्र पहनाकर गलियो में धुमाकर बसंत की पूजा किये थे।

प.पू.अ.सौ. लक्ष्मीस्वरुपा गादीवालाश्री के करकमलो द्वारा हवेली में घनश्याम महाराज का अभिषेक तथा अन्नकूट आरती की पूजा किये थे।

(७) शाकोत्सव, राधाष्टमी : १२ मण घी और साठ मण बैगन का लोया में श्रीहरि के द्वारा किये गये शाकोत्सव के स्मृति रुप में श्रीहरिकृष्ण महाराज के समक्ष उत्सव की प्रतिकृति का सुंदर दर्शन कराया गया था।

श्रीकृष्ण की ऐश्वर्य शक्ति साक्षात् राधिका के प्रादुर्भाव की स्मृति रुप में राधिकाजी का बहुमूल्य नये वस्त्र एवं आभूषणो से पूजन किया गया था।

(८) रामनवमी, श्रीहरि जयंती, बालस्वरुप श्री घनश्याम महाराज का पाटोत्सव : मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और सर्वावतारी सर्वोपरि श्रीहरि के प्रागट्य की आरती की गई थी। प.पू.ध.धु. आचार्यश्री देवेन्द्रप्रसादजी महाराजश्री अक्षरभवन में विराजमान प्रत्यक्ष छपैयाधीश बालस्वरुप श्री घनश्याम महाराज का पूजन उत्सव यजमान हरिॐ परिवार द्वारा पूर्ण किया गया था। प.पू. लालजी महाराजश्री के करकमलो द्वारा अभिषेक एवम् अन्नकूट आरती की गयी थी।

(९) विजया दशमी : श्रीरामचन्द्र भगवान ने रावण के उपर विजय प्राप्त करने के प्रयाण की स्मृति में ठाकुरजी राजाधिराज की तरह मूल्यवान वस्त्र तथा शस्त्र पहनाचकर वादय यंत्रो की आवाज के साथ ओच्छव मंडल द्वारा भगवान के दिग्विजय के पदो का गान भक्ति भाव से किया गया था।

(१०) हिंडोला (झूला) : रंगभिना रे शामलिया आवो झूलिये रे रंग, बांधफूल हिंडोला प्यारा, पहेरावुं पटभूषण सारा, नंदकुंवर तमने निरखीने फुलिये रे...रंग - स.गु. प्रेमानंद स्वामी

प्रेमानंद स्वामी द्वारा रचित इस पद के अनुसार लगभग दो महीने तक नित नवीन झूले में झूलते श्री नरनारायणदेव को देखकर भक्तलोग अति खुश हुए। झूले की सजावट अत्यंत श्रद्धा और भक्तिभाव मांगती है। कालुपुर मंदिर के झूले का दर्शन करने से ऐसा प्रतीत होता है कि यह उत्सव लोगो को खुश करने के लिये नही अपितु भगवान को खुश करने के लिये बनाया गया है। प्रदर्शन के लिये ठाकुरजी की कृत्रिम मूर्तियाँ लाकर भगवान को चकडोल में धुमाया नहीं जाता है। परम्परागत उत्सव में चल स्वरुप की मूर्तियो को झूला (हिंडोला) में झूलाया जाता है।

(११) रंगमहल घनश्याम महाराज का पाटोत्सव, वामन द्वादशी : वि.सं. १९४२ के कार्तिक मास सुद-१२ के दिन प.पू.ध.धु. आचार्यश्री केशवप्रसादजी महाराजश्री ने श्रीहरि के निवास स्थान रंगमहल में साक्षात् अक्षरधाम के अधिपति श्री घनश्याम महाराज की काष्ठ मूर्ति स्थापित किये। उसी के स्मृति स्वरुप में प.पू. महाराजश्री के करकमलो द्वारा तथा प.पू. लालजी महाराजश्री के हाथो द्वारा अन्नकूट आरती दर्शन का लाभ दिया गया था। प.पू.अ.सौ. लक्ष्मीस्वरुपा गादीवालाश्री की आज्ञा से प्रातः ९ बजे से ११-३० तक बहनो ने अन्नकूट दर्शन का लाभ उठाया था।

श्री नरनारायण भगवान का वामन स्वरुप धारण कराके दूसरे दिन **नृसिंह जयंती** की स्मृति में नृसिंह का रुप धारण कराके उस अवतार का दर्शन सभी को कराया गया था।

(१२) शरदोत्सव :

तिथि पूनम ते पून्य रुप छे रे, जेमां रास रम्या व्रजराज,
आज दरशननुं फल बहु घणु रे,
जेमा देव आवे बहु दरशने रे।
संग लैने पोतानो समाज... आज.
- पूर्णानंद स्वामी

प्रात: दो घंटे संतो द्वारा पूनम की सभा हुई थी। सभा में प.पू. महाराजश्रीने सभी को आशीर्वाद दिये थे। रात्रि में ठाकुरजी को थाली तथा रासोत्सव के साथ प.भ. जयेशभाई सोनी आदि कलाकार भक्तोने मधुर संगीत के साथ शरदोत्सव के गीत गाये थे।

(१३) केशर स्नान : ज्येष्ठा नक्षत्र में वेदोक्त उत्सव की स्मृति में प्रात: प.पू. महाराजश्री के करकमलो द्वारा दोनो को केशर जल से अभिषेक स्नान कराया गया था।

(१४) जन्माष्टमी, नंद महोत्सव :

नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की,
हाथी दियो घोडा दियो, और दीन्ही पालकी,
जसोदा के लाल आये, छोटे गोपाल आये,
हमारे प्रतिपाल आये, गोकुल के ग्वाल आये... नंद.

हिन्दु संस्कृति के इस परम्परा की स्मृति स्वरुप ठाकुरजी को पालने में झूलाकर पंजीरी तथा मक्खन का भोग लगाकर रात्रि १२ बजे श्रीकृष्ण के प्रागट्य की आरती तत्पश्चात नंद महोत्सव मनाया गया था।

(१५) छपैया दर्शन, वनविचरण, हिमालय दर्शन : श्रीहरि का जन्म स्थान जन्म भूमि छपैया, श्रीहरि का वन विचरण तथा हिमालय के प्रतिकृति वातावरण की रचना करके सभी को प्रत्यक्ष दर्शन की अनुभूति दिलाई गयी। वन में पेड, लताये फूल, अनेक पक्षी, सिंह, वाघ, हिरण, वानर आदिक अन्य प्राणीयों के मध्य विचरण करते हुए। श्री नीलकंठवर्णी तथा सफेद बर्फ से आच्छादित हिमालय में बद्रिकाश्रम में तपस्या करते श्री नरनारायणदेव तपोभूमि कैलाश शिखर पर ध्यान की मुद्रा में शिवजी आदि का दर्शन करके सभी लोग आनंदित हुए थे।

१२ घंटे की धुन : अधिक श्रावण मास की एकादशी और श्रीहरि का सर्वोपरि नाम जो स्वामिनारायण नाम लेगा, उसके पाप सभी समाप्त हो जायेगे। प्रात: ६ से ६ बजे तक धुन इसके बाद १ घंटे की सभा की गई थी। शुभारंभ की आरती के बाद पू. महंत स्वामी धुन बुलाकर शुभारंभ किये थे। संत भक्त सभा मंडप में तथा बहने प्रांगण में और हवेली में रासोत्सव तथा संगीत के साथ धुन की गयी थी। फलाहार की अच्छी व्यवस्था की गई थी।

(१६) समूह महापूजा : चार्तुमास के विशेष नियम में श्रीहरि अपने आश्रितो के लिये किये गये। एक आज्ञा में एक नियम अर्थात पंचामृत स्नान कराके भगवान की पूजा की गयी थी। इस आज्ञा का पालन हो। श्रीजी खुश हो भक्तजनो के मनोरथ पूरे हो। इस उद्देश्य के साथ पवित्र शुभ स्थान श्री नरनारायणदेव के प्रांगण में समूह महापूजा की गयी। महापूजा का शुभारम्भ प.पू. महाराजश्री ने आरती करके आशीर्वचन के साथ पू. महंत स्वामी ने पूर्णाहुति की थी।

(१७) शिवरात्रि शिवपूजन : शिक्षापत्री श्लोक नं. ४७ में श्रीहरि नारायण और शिवजी के एकात्मकता को दिखाया गया है। श्रीहरि के आज्ञानुसार हमे शिवरात्रि का व्रत, पूजन, उत्सव करते रहना चाहिए। इसी परम्परा के अर्न्तगत नरनारायणदेव के दाहिने तरफ निज मंदिर में विराजमान शिवजी का अभिषेक तथा बिल्वपत्र से पूजा की गयी थी।

(१८) अन्नकूट गोवर्धन पूजा : इन्द्र का मान मर्दन कराके अपने चरणो से स्पर्शित प्रसादी के गोवर्धन पर्वत को आदर इन्द्र से अधिक कराके उन्होने इन्द्र पूजा वंद करवायी थी। श्री गिरीराज की पूजा श्रीकृष्ण भगवान के द्वारा कराने से उसकी स्मृति रुप में गोवर्धन पूजा की गयी थी। श्री नरनारायण आदि को छप्पन भोग अन्नकूट रखा गया था। हजारो हरिभक्तगण पूरे महीने भर उत्सव का दर्शन करके धन्य हुए। कोठार संत हरिभक्तोने अच्छी व्यवस्था किये थे।(गोरधनभाई वी. सीतापरा)

अधिक श्रावण मास के यजमान

श्री नरनारायणदेव की कृपा से तथा अपने प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा से एवम् प.पू. बड़े महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्री और समस्त धर्मकुल की कृपा-आशीर्वाद से अहमदाबाद कालुपुर मंदिर के व्यवहार कुशल पूज्य महंत स.गु. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी की प्रेरणा मार्गदर्शन से उनके मंडल के संतो, पू. जे.पी. स्वामी, पूज्य शा. स्वा. राम स्वामी, पू. शा. कोठारी मुनि स्वामी, पू. कोठारी बालु स्वामी, पू. भंडारी स्वामी धर्मस्वरुपदासजी के सुंदर प्रबन्ध से पूरे अधिक श्रावण मास (पूरे मास के उत्सव के यजमान) और दूसरे श्रावण मास में झूले के यजमान श्रीहरि के प्रिय जो हरि भक्त बने थे। उनके शुभ नाम है।

इस दोनो महीने के उत्सव एवम् झूले की अद्भूत सेवा देने वाले प.भ. दरबार रणजीतसिंह, आर.सी. टेक्निकल रोड मंदिर, प.भ. घनश्यामभाई, सिनीयर सीटीझन मोटेरा महिला मंडल, घाटलोयि श्री नरनारायणदेव युवक मंडल, गांधीनगर (से-२) सत्संग

समाज, नारायणघाट श्री नरनारायणदेव युवक मंडल, जीवराज पार्क श्री नरनारायणधेव युवक मंडल, बापुनगर महिला मंडल, हिरावाडी महिला मंडल, मुंबई के प.भ. भावसारभाईने सुंदर झूला बनाकर लाये थे । हरिभक्तोने रात-दिन सेवा दिये थे ।इन लोगो को जितना धन्यवाद दे वह कम ही है ।(कोठारी मुनि स्वामी)

अधिक श्रावण सुद-१ दि. १८-७-२०२३ मंगलवार - **ग्वालबाल दर्शन :** प.भ. मधुबेन महेन्द्रभाई पटेल और प.भ सूजलबेन अल्पेशभाई पटेल (कालीगाम), वर्त. प.भ. महेन्द्रभाई (बकाभाई) (साबरमती) अधिक श्रावण सुद-२ ता. १९-०७-२०२३ बुधवार - **रथयात्रा :** प.भ. नटवरभाई मफतभाई पटेल (साबरमती) अधिक श्रावण सुद-३ ता. २०-०७-२०२३ गुरुवार - **श्री नरनारायणदेवनो पाटोत्सव :** मुख्य यजमानश्री : प.पू. लक्ष्मीस्वरूपा मोटा गादीवाळाश्री - ह. हजूरी पार्षद वनराज भगत - सह. यजमानश्री : (१) अ.नि. ईन्द्रवदन मणीलाल शाह परिवार - ह. प.भ. दिव्यकान्तभाई शाह (आंतरसुबा) (२) प.भ. डॉ. मनोजभाई ब्रह्मभट्ट (अहमदाबाद) (३) प.भ. राजेशभाई मथुरदास ठक्कर (अहमदाबाद) अधिक श्रावण सुद-३ - ता. २१-०७-२०२३ शुक्रवार - **परशुराम जयंती :** अ.नि. शांताबेन वालजीभाई पटेल - कोठारी परिवार (गवाडावाळा) - ह. प.भ. रमेशभाई पटेल अधिक श्रावण सुद-४ - ता. २२-०७-२०२३ शनिवार - **गणेश पूजन :** प.भ. जशवंतलाल कांतिलाल मोदी (सायन्ससीटी) - ह. आरव श्रेयशभाई मोदी. अधिक श्रावण सुद-५ - ता. २३-०७-२०२३ रविवार - **वसंत पंचमी- हवेली श्री घनश्याम महाराजनो पाटोत्सव :** अभिषेकना यजमानश्री : अ.नि. शारदाबा शेलत - ह. अ.सौ. अस्मिताबेन किलोल्लभाई शेलत (एडवोकेट). अभिषेकना सहयजमानश्री : (१) ब्रीन्दाबेन नैतिकभाई पटेल (सोला) (२) प.भ. प्रविणभाई नटवरभाई पटेल अने रमीलाबेन पी. पटेल (न्यु राणीप). अधिक श्रावण सुद-६ ता. २४-०७-२०२३ सोमवार - **कुंजगली दर्शन :** प.भ. शैलेषभाई गोविंदभाई पटेल (मोखासणवाला - अहमदाबाद). अधिक श्रावण सुद-७ ता. २५-०७-२०२३ मंगलवार - **शाकोत्सव :** प.भ. अ.नि. कांतिलाल जोईताराम पटेल - ह. दिनेशभाई (नारणपुरा - विहारवाळा). अधिक श्रावण सुद-८ ता. २६-०७-२०२३ बुधवार - **राधाष्टमी :** प.भ. चंद्रिकाबेन बाबुभाई डॉक्टर (अमेरिका). अधिक श्रावण सुद-९ ता. २७-०७-२०२३ गुरुवार - **रामनवमी, श्रीहरि जयंती, बालस्वरूप श्री घनश्याम महाराजनो पाटोत्सव :** हरिॐ परिवार (सरसपुर). अधिक श्रावण सुद-१० ता. २८-०७-२०२३ शुक्रवार - **विजया दशमी :** प.भ. मनीषभाई जीतुभाई चोकसी तथा देवभाई. अधिक श्रावण सुद-११ ता. २९-०७-२०२३ शनिवार - **हिंडोळा :** प.भ. कनुभाई प्रहलादभाई पटेल (कल्याणपुरावाला - शाहीबाग). अधिक श्रावण सुद-१२ ता. ३०-०७-२०२३ रविवार - **रंगमहोल श्री घनश्याम महाराजनो पाटोत्सव - वामन बारस :** हरिॐ परिवार (सरसपुर). अधिक श्रावण सुद-१४ ता. ३१-०७-२०२३ सोमवार - **नृसिंह जयंती :** प.भ. शालिन अरविंदभाई दोंगा (बापुनगर). अधिक श्रावण सुद-१५ ता. ०१-०८-२०२३ मंगलवार - **शरदोत्सव :** प.भ.अ.सौ. चारूमतीबेन गीरीशभाई पटेल (डींगुचावाळा) - ह. निलिभाई, हरिभाई अने हेली (अमेरिका-टेनेसी).

अधिक श्रावण वद-१ ता. ०२-०८-२०२३ बुधवार - **केसर स्नान :** मुख्य यजमान : हरिॐ परिवार. सह यजमान : प.भ. राजेशभाई मथुरभाई ठक्कर. अधिक श्रावण वद-२ ता. ०३-०८-२०२३ गुरुवार - **हिंडोला :** अ.नि. प.भ. चिमनभाई बेचरभाई पटेल (मुक्तिधाम-साबरमती) - ह. संजयभाई अने राजुभाई. अधिक श्रावण वद-३ ता. ०४-०८-२०२३ शुक्रवार - **हिंडोला :** प.भ. परषोत्तमभाई केशवभाई धोराजीया. अधिक श्रावण वद-४ ता. ०५-०८-२०२३ शनिवार - **हिंडोला :** प.भ. डाह्याभाई फताभाई पटेल (गवाडा) - ह. जीतुभाई. अधिक श्रावण वद-५/६ ता. ०६-०८-२०२३ रविवार - **हिंडोळा :** प.भ. रमेशभाई नटवरभाई पटेल (पोरवाळा) (रायसण-गांधीनगर). अधिक श्रावण वद-७ ता. ०७-०८-२०२३ सोमवार - **हिंडोला :** प.भ. दक्षाबेन संजयभाई सोनी - ह. नेहल, क्रिष्णा अने अर्जुन. अधिक श्रावण वद-८ ता. ०८-०८-२०२३ मंगलवार - **जन्माष्टमी :** महालक्ष्मी हार्डवेर (गवाडावाळा) - ह. प.भ. चिरागभाई. अधिक श्रावण वद-९ ता. ०९-०८-२०२३ बुधवार - **नंद महोसव :** (१) प.भ. दशरथभाई प्रहलादभाई पटेल (ट्रस्टीश्री) (जमीयतपुरावाला) (२) अ.नि. कमलेशभाई नारायणदास पटेल - ह. गौरांगभाई के. पटेल (कांकरिया). अधिक श्रावण वद-१० ता. १०-०८-

२०२३ गुरुवार - **छपैया दर्शन :** (१) प.भ. नारणभाई बेचरभाई पटेल (गवाडा) (२) प.भ. अ.नि. मणीलाल लक्ष्मीचंद भालजा साहेब - ह. प्रबोधभाई झाला. अधिक श्रावण वद-११ ता. ११-०८-२०२३ शुक्रवार - **वनविचरण :** प.भ. नागजीभाई नानजीभाई शींगाळा. अधिक श्रावण वद-११ (एकादशी) ता. १२-०८-२०२३ शुक्रवार - **हिमालय दर्शन :** प.भ. हिराबेन परसोतमभाई पटेल (भावपुरावाळा) - ह. संगीताबेन, रश्मिबेन, कृपा, गायत्री, काव्या, जीया (अहमदाबाद). अधिक श्रावण वद-१२ ता. १३-०८-२०२३ रविवार **: समूह महापूजा :** (१) प.भ. नयनाबेन सुमनभाई पटेल (पोरवाळा-साबरमती) (२) प.भ. घनश्यामभाई गणेशभाई पटेल (विहार). अधिक श्रावण वद-१३ ता. १४-०८-२०२३ सोमवार - **शिवरात्री शिव पूजन :** प.भ. अ.नि. चतुरभाई भगाभाई पटेल (झुंडालवाळा-साबरमती) - ह. विराट रमणभाई पटेल. अधिक श्रावण वद-१४ ता. १५-०८-२०२३ मंगलवार - **श्री हनुमानजी का पूजन :** प.भ. रमणभाई चतुरभाई पटेल (झुंडालवाळा-साबरमती) - ह. ओंम अने नमः, प.भ. कांतिभाई गोविंदभाई परमार - ह. रिध्धि, प्रशांतभाई परमार (जन्म दिन निमित्ते) अधिक श्रावण वद-३० ता. १६-०८-२०२३ बुधवार - **अन्नकूट गोवर्धन पूजा :** हरिॐ परिवार (सरसपुर).

हिंडोला महात्म (झूला)

स्वामिनारायण संप्रदाय में हिंडोला का विशेष महत्व है । श्री स्वामिनारायण भगवान की जन्म भूमि छपैयाधाम में भी एक महीनो तक हिंडोला उत्सव मनाया जाता है । एक बार छपैया धाम में हिंडोला का दिन आया तब घनश्याम महाराज अपने बाल मित्रो के साथ एवम् वेणी माधव प्रयाग अपने घर के आँगन में इमली के वृक्ष के उपर झूला बाँधकर बाल मित्रो के साथ झूला झूल रहे थे । तभी सुवासिनी भाभी तथा भक्ति माता घर के बाहर आये और देखे घनश्याम महाराज झूला झूल रहे थे । वह सामान्य झूला नही था । भूमानंद स्वामी ने उसका वर्णन सुंदर रुप से किये है । प्रभु ने ईच्छा किया । हिंडोला हो गया दिव्याकार हिंडोला रत्न जडित । अति रमणीय एवम् चमकदार था । उसके रंगपीला तथा काँच से बना है । वह हिंडोला स्वर्णमयी था । इसमें लाल, पीला रंग के नंग लगे थे । हिंडोला पुष्पो से सजा हुआ था । ऐसे झूले में घनश्याम महाराज झूलते थे । भक्ति माता तथा सुवासिनी भाभी यह देखकर आश्चर्य चकित हो गयी थी । घनश्याम महाराज की ईच्छा से झूला झूलाने के लिये राधिकाजी और लक्ष्मीजी के साथ हजारो गोपिया आयी थी । अपनी सखियो को भी साथ लायी थी । इस प्रकार छपैयाधाम में बडा उत्सव मनाया गया । इस प्रकार घनश्याम महाराज झूले डालकर छपैयाधाम में ऐश्वर्य दिखाये थे । धर्मदेव भक्ति माता रामप्रतापभाई और छपैया के नर-नारी भगवान के इस चरित्र को देखकर अति प्रसन्न हुए । इस प्रकार घनश्याम महाराज छपैया में झूले झूले है । तब से भगवान की झूला झूलाने की प्रसिद्ध महिमा चली आ रही है । छपैयाधाम के महंत सद्‌गुरु देवप्रसाददासजी स्वामी के मार्गदर्शन प्रेरणा से हरिभक्त अनेक प्रकार के डिजाईन वाले सुखे मेवे, चोकलेट, फूल, फल, का झूला बनावकार भगवान को झूलाने का आनंद लिये । छपैयाधाम में एक मास तक चलने वाले हिंडोला उत्सव में गुजरात के हरिभक्त जाते है । स्थानीय तथा शहर के लोग भी झूला झूलाने आते है । गोरखपुर बस्ती, गोंडा तथा अयोध्या के धर्मप्रेमी लोग छपैया मंदिर में दर्शन करने के लिये आते है । (पूजारी हरिदर्शनदासजी - छपैया)

कैलेन्डर प्रकाशित करने वाले प्रत्येक मंदिर के महंतश्री और कोठारीश्री के लिये सूचना

प.पू. लालजी महाराजश्री की विशेष सूचना से अपने छोटे-बड़े मंदिरो द्वारा प्रति वर्ष कैलेन्डर प्रकाशित किया जाता है । समस्त शिखर बध्ध मंदिरो के महंतश्री और श्रीहरि मंदिर के कोठारीश्री को ज्ञात हो । इस वर्ष से आप को नये वर्ष का कैलेन्डर अपने कालुपुर श्री स्वामिनारायण मंदिर द्वारा निश्चित किया गया कैलेन्डर ही छपवाना होगा । किसी को अलग से नहीं छपवाना है । यह विशेष सूचना है । इस विषय में आप श्रीमान कालुपुर मंदिरो कोठार आफिस से सम्पर्क करे ।

अहमदाबाद कालुपुर मंदिर में सेवा (मानद) देने का अमूल्य अवसर

श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर अहमदाबाद में अनेक स्थानो पर निवृत्त शिक्षित मानद सेवा करने की ईच्छा रखने वाले उन्हें थाल, भेट आदि स्थानो पर और अधिक शिक्षित व्यक्ति नही है उन्हे पूजारी की सेवा, भोजन परोसने की सेवा आदि सेवा देने के लिये । जिनकी ईच्छा है । वह कोठार आफिस में श्री सुरेशभाई पटेल मो. : ९१७३०८९०३० - बायोडेटा के साथ सम्पर्क कर सकते है । (उम्र ६० वर्ष के बीच की होनी चाहिए)

जड को भट्ट किये

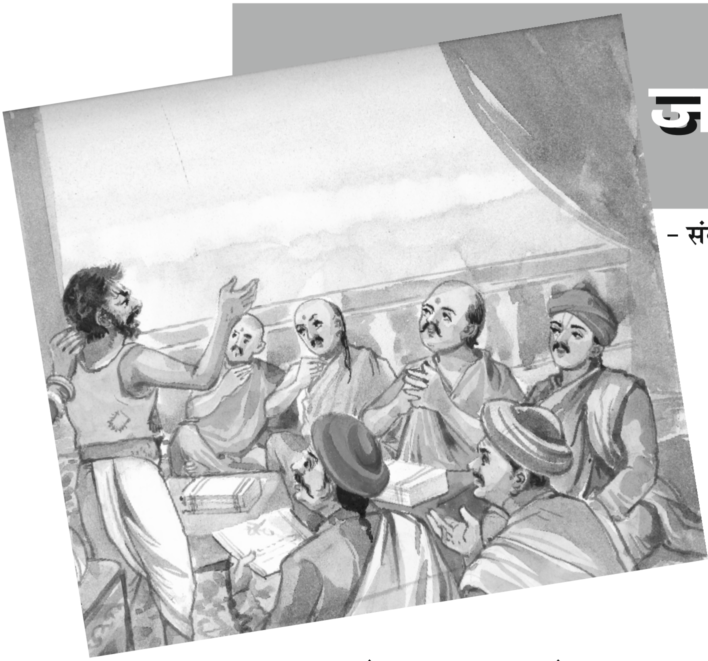

– संकलन : गोरधनभाई वी. सीतापरा (हीरावाडी-बापुनगर)

ईडर के पास एक गाँव बरोली है । वहाँ पर एक गरीब ब्राह्मण निवास करते थे । उनके पास जन्मजात गूगा लडका था । बाल्यकाल में तीसरी मंजिल से गिर गये थे । दोनो पैर टूट गया था । एक कदम चलने में समर्थ नही थे । पन्द्रह साल तक घर पर एक कोने में रहे । पिता अपनी मृत्यु के पूर्व तक भिक्षावृत्ति के द्वारा उनका पालन पोषण किये ।

इसके पश्चात उस बच्चे को भोजन तथा नित्यक्रम में परेशानी होने लगी । दो वर्ष तक अगल-बगल के पडोशियो ने उसका पालन किया । इस प्रकार लडका अतिशय कष्ट सहन कर रहा था ।

एक दिन गाँव के तीन-चार ब्राह्मण संकल्प किये कि ''इस बच्चे को अपने पडोशी गाँव में टोरडा के दयालु खुशाल भट्ट के पास ले गये ।''

उसी गाडी में बैठाकर खुशाल भट्ट के पास टोरडा गाँव ले गये । ब्राह्मणोने उस बच्चे की व्यथा खुशाल भट्ट को बताया ।

खुशाल भट्ट ने कहा 'आओ, बच्चे हमारा हाथ पकड कर खडे हो जावो !'

बच्चा खडा हो गया । उसका दोनो हाथ पकडकर पीपल और तुलसी के बाग में धीरे धीरे प्रदक्षिणा करवाये तथा उसका हाथ छोड दिये थे । बाद में बच्चा हँसते-हँसते स्वयं दो से तीन बार प्रदक्षिणा किया । यह देखकर लोग आश्चर्य चकित हो गये ।

खुशाल भट्ट बच्चे को अपने नजदीक बैठाकर बोले बेटा ! तुम्हे बोलना चाहिए ।

''अ....उ, व......उ.''

साथ में आने वाले ब्राह्मणोने बताया कि यह जन्म से गूँगा है । ''बेटा धीरे धीरे बोलो ! तुम कौन से ब्राह्मण हो ? खुशाल भट्टने पूछा ।''

''मै उ...डीच इंटो लखियो''

''आप का गोत्र क्या है ?''

''माले गो....त....तल नथी, उ...टो... धलमां रहू छुं'' बच्चेने उत्तर दिया ।

''तुम्हारा वेद कौन है ?''

''उ बेद नथी जानतो ।''

तुम्हारी शाखा कौन सी है ?

''माला तो बहु छा काढ्य छे ।

तभी खुशाल भट्ट बोले ''यह बच्चा जड जैसा मूर्ख है । साथ में आये ब्राह्मणो ने कहा,

''महाराज ! इस जड को आप भट्ट करे पशु से मनुष्य बनाये । तोतले को शुद्ध उच्चारण आने लगे । इसकी बुद्धि खुले और शुद्र शब्द बोलने लगे ! खुशाल भट्टने कहा कि यह मनुष्य क्या देव की पंक्ति में आयेगा ।

पुन पूछे 'बच्चा तुमका यजुर्वेद का ज्ञान है ।'' हाँ ! मेरे परमेश्वर आप ही तो मुझे नया जन्म दिये है । भट्टजी बोले कि ''तुम हमारे साथ धीरे-धीरे यजुर्वेद बोलना प्रारम्भ करो । यह कहकर भट्टने उससे वेद का प्रथम मंत्र बुलवाये थे ।

बच्चा उनके साथ वेद मंत्र बोलने लगा । इसके बाद वह यजुर्वेद के चालीस अध्याय को कंठस्थ कर लिये ।

भट्टजी ब्राह्मणो को भोजन खिलाये । ब्राह्मण दण्डवत करके विदाई लिये ।

इसके बाद बच्चा अपने पैरो से चलकर अपने गाँव बरौली गया । इसके बाद वह बच्चा ईडर अहमदाबाद इत्यादि स्थानो पर चलकर जाता था । गृहस्थ ब्राह्मणो के घर वेदमंत्र बोलकर वह अनाज-धन प्राप्त करते थे । इनका नाम विद्वान ब्राह्मणो की पंक्ति में आ गया । इस प्रकार गौरीशंकर को निंमत्रण मिलने लगा । ये गौरीशंकर श्रीहरि का दर्शन करने के लिये अहमदाबाद वडताल भी आते थे । संवत १८७८ के फाल्गुन सुद-३ के दिन श्रीहरिने अहमदाबाद में श्री नरनारायणदेव की प्रतिष्ठा किये तब वरुणी में १०८ ब्राह्मणो में गौरीशंकर धनपाठी भी मंडप में बैठे थे । श्रीहरिने बैठे सभी से बोले ''बडे सत्पुरुष जड को चेतन तथा पशु को देव बना देते है । आप लोग गौरीशंकर को देखे ।

गौरीशंकर साष्टांग प्रणाम करके बोले ''प्रभु ! ये गोपालानंद स्वामी जब पूर्वाश्रम थे । तब मेरी शरीर नरक भोग रही थी । इसमें से इन्होने मुक्त किया था । आप के चरण कमल का आश्रित बनाये । इस लिये इन्हे मैं भगवान मानता हूँ । और इनका भगवान आप को जानता हूँ ।

श्रीहरि यह शब्द सुनकर मंद-मंद हसने लगे ।

श्रीहरि के साथ प्रगट्हुए कई समर्थ संतो में से एक महाप्रतापी संत योगीश्रेष्ठ सद्‌गुरु श्री गोपालानंद स्वामी का पूर्वाश्रम का नाम खुशाल भट्ट था । सबको दर्शन मात्र से सुख देने वाले थे ।

साबरकांठा जिले के भिलोडा तालुका में टोरडा गाँव के निवासी थे । इनका प्रगटीकरण संवत १८३७ के माघ सुद-८ को सोमवार के दिन पर हुआ था ।

पिता का नाम मोतीराम और माता का नाम जीवीबा । टोरडा में वर्तमान समय में अपना शिखर बद्ध मंदिर है । हरिभक्त मात्र एकबार इस मंदिर और गाँव का दर्शन अवश्य करे । खुशाल भट्ट के घर शामलाजी स्वयं उनके घर आकर खेलते थे । एकबार उनका झाझर टोरडा में गिर गया था । यह बात प्रसिद्ध है । खुशाल भट्ट अनेक जीवात्मा का दुख दूर किये थे । उसमें से गौरीशंकर का एक उदाहरण है ।

जिस के संत ऐसे समर्थ हो तो ये संत जिसकी उपासना करते है । ऐसे अपने आराध्य देव भगवान श्रीहरि का सामर्थ क्या होगी ? यह विचार कर भगवान के शरण में जाये । धर्मवंशी आचार्य द्वारा दीक्षा लेकर शिक्षापत्री के आज्ञा का पालन करना चाहिए । श्रीहरि द्वारा स्थापित श्री नरनारायण आदि स्वरुप का दृढ सहारा लेकर संतो के सत्संग में भाग लेना चाहिए ।

सुख स्वपन जेवु छे संसारनुं रे,
जेने जाता न लागे वार...
अंक काले सगु नहि कोईनु रे.
माटे सेवे तुं साचा संतने रे,
तारा टलशे त्रिविध के ताव... अंत.
अति मोटा पुरुष ने आशरे रे,
बले पूर्व जन्मना पाप.... अंत.
एवुं समजीने भजर भगवान ने रे,
सुखकारी सदा घनश्याम.... अंत.

(देवानंद स्वामी)

आश्विन सुद-१५ के ग्रहण पालन हेतु

दि. २८/२९-१०-२०२३ के दिन आश्विन सुद-१५ के दिन चन्द्र ग्रहण है । यह खंडग्रास चन्द्रग्रहण एशिया, पूर्व अमेरिका युरोप, आफ्रिका तथा पूरे भारत में दिखाई देगा । धार्मिक दृष्टि से इस ग्रहण का प्रभाव पावन करना चाहिए ।

अहमदाबाद के स्थानीय समयानुसार ग्रहण का प्रभाव दि. २८-१०-२०२३ तो दोपहर १५ बजकर १३ मिनट ३९ सेकन्ड और बालक, बुढ्ढ अशक्त के लिये १९ बजे ३८ मिनट १६ सेकन्ड पर प्रभाव रहेगा । चंद्र का उदय १७.५६ पर होगा ।

दि. २९-१०-२०२३ स्पर्श रात्रि १:०५ मिनट, तथा १:४४ मिनट पर मोक्ष रात्रि २:२२ पर होगा ।

અમદાવાદ મંદિરમાં અધિકમાસ દર્શન

શ્રી નરનારાયણદેવ પાટોત્સવ

અક્ષર ભુવન પાટોત્સવ

રંગમહોલ શ્રી ઘનશ્યામ મહારાજનો પાટોત્સવ
તથા બહેનોને રંગમહોલમાં દર્શનનો લાભ

ધર્મકુળની નિશ્રામાં અખંડધૂન

ધર્મકુળની નિશ્રામાં સમૂહ મહાપૂજા

અમદાવાદ મંદિરમાં અધિકમાસ દર્શન

નારણઘાટ મંદિર અખંડધૂન

નારણઘાટ મંદિર રાજોપચાર

મેમનગર મંદિરમાં કથા

ધોળકા મંદિરમાં અન્નકૂટ

મહેસાણા મંદિરમાં કથા

ગાંધીનગર (સે.૨) મંદિરમાં રાજોપચાર

अधिक मास में कथा श्रवण

- एन. वी. शास्त्री

अधिक मास अर्थात् पुरुषोत्तम मास है । इस पवित्र अधिक मास में भक्तगण भक्ति से भर जाते है । व्रत उपवास करके कथा सुनने का अति महत्व है । तथा सरोवर में स्नान करने से लाभ प्राप्त होता है।

मानव जन्म का उद्देश्य क्या है ? जीवन की सार्थकता किस में है ? जीवन में धन्यता कब अनुभव होती है ?

सत्संग के सागर में डूबकी लगाये । या भक्ति की भगीरथी में स्नान करते हुए जीवन में धन्यता का अनुभव होता है। शेष विश्व मोह-माया से परिपूर्ण करते है। भगवान के भक्ति इससे अलिप्त रहते है । भक्ति की भागिरथी में स्नान करने के बाद जीवन सादा एवम् स्वच्छ बनता है। आनंद से करुणामय जीवन जीता है।

आराध्यदेव भगवान श्री स्वामिनारायण भी सत्संग और कथा-वार्ता की आग्रही थे। श्रीमद् भागवत श्री वासुदेव महात्म्य, विदूरनीति श्रीमद् भागवत गीता जैसे सत्शास्त्रो की स.गु. शुकानंद स्वामी, नित्यानंद स्वामी की प्रागजी पुराणी जैसे वक्ता-कथाकार के पास से लगातार कथा कहलवाते थे।

भगवान श्री स्वामिनारायणने अलग-अलग स्थानो पर जो वार्तालाप किये, धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष चारो पुरुषार्थो की जिसने बात कही । जिसने अध्यात्मग्रंथ दिये । 'वचनामृत' तो अमृत की खदान है । वचनामृत के पृष्ठ-पृष्ठ पर आत्मा और परमात्मा की बात कही गयी है। वेद, शास्त्र, पुराण आदि के सार रुप मोक्ष मार्ग बताने वाली जीवन की धागा के समान है।

नव प्रकार की भक्ति में प्रथम स्थान दिया गया है। श्रवण शक्ति श्रद्धावान बनाने की मूल धारणा है । श्रद्धावान व्यक्ति ही सदाचारी-सत्संगी बन सकता है । वही भक्ति, स्नान, या दान करता है। वही नियम और निश्चिता भी रखता है। आज्ञा एवं उपासना की समझ श्रवण भक्ति वाले श्रद्धावान में होती है । कथा श्रवण जीवन का अमृत है।

पवित्र अधिक मास में सभी मंदिरो, तीर्थ स्थानो सार्वजनिक स्थानो पर कथा-पारायण मंगलमय कल्याणी प्रबन्ध हुए रहते है । भगवान के भक्त भगवान के गुणगान-लीलाचरित्र का रसपान करते है। यह जीव को शांति प्रदान करने का एक उपाय है।

अपने सर्वोत्तम धाम "छपैयाधाम" में अधिक मास में २४ जूलाई से ३० जुलाई २०२३ तक "श्री घनश्याम बालचरित्र" का पारायण प.पू. बड़े महाराजश्री तेजेन्द्रप्रसादजी महाराजश्री की शुभ प्रेरणा से रखी गयी थी।

सम्प्रदाय के नवय युवक विद्वान संतो ने भाव विभोर होकर कथा के मध्य ऐसा बातावरण बना दिये कि बाल घनश्याम की लीला छपैया के मध्य प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री की छत्रछाया में सभी (बहने) हरिभक्तो की नजर के सामने देखते हो ऐसी अनुभूति पैदा किये थे। लगभग ८०० हरिभक्त श्री घनश्याम बाल लीला के गवाह बने थे। छपैया मंदिर के महंत स्वामी देवप्रसाददासजी और वयोवृद्ध संत जगतप्रकाशदासजी स्वामीने सभी को सरोबोर किये थे । कि हरिभक्त इसको जीवन भर याद रखेगे । सभी लोग सेवा, स्मरण और सत्संग की त्रिवेणी धारा में स्नान करने का मंगलमय अवसर दिये थे । श्री नरनारायणदेव गद्दी के छोटे-बडे अनेक मंदिर तथा भाविक भक्तोने इस पवित्र अधिक मास में श्रीहरि के प्रति नवधा भक्ति प्रस्तुत किये थे।

आप को तो याद ही होगा ? श्रीमद् भागवत में "पृथु राजा" की बात आती है। इन्होने परमात्मा के पास से कथा सुनने के लिये दस हजार कान की माँग किये थे।(श्रीमद् भाग स्कंध-४, अध्याय-२०), देखिये कथा सुनने के लिये प्रभु से इस प्रकार की माँग किये थे।

भगवान के चरित्र की कथा अन्नत जन्मो के पुण्य उदय होने पर सुनने को मिलता है।

अनु. पेईज नं. १८ से आगे

गये । यह हमारी परम भक्त बनेगी । सत्संग करके हमारी भक्ति करेगी । श्रीहरि महाप्रभु संतो, पार्षदो भक्तजनो से घिरकर घोडे पर चढकर मेऊ के भक्तो को अपने स्वरुप का सुख देकर लाघणज की तरफ चल दिये। घनश्याम महाराज के आगमन को सुनकर गाँव वाले खुश होकर सत्कार के लिये । हाथ में चंदन, कुमकुम, चावल, श्रीफळ आदि सामग्री लेकर जाने लगे थे। इन भक्तो में रामचन्द्र, प्रमुया नागर, नारायण, गणेश, कृष्ण इथ्यादि थे । महिलाओ में सुवर्णी थी । धर्मपुत्र नारायण प्रभुके सामने जाकर शीतल मनोहर रुप का दर्शन प्राप्त किये। पूजन की तथा आनंदित हुई। वादययंत्रो के साथ उच्चस्वर में कीर्तन करते हुए। भक्त गणो के पीछे-पीछे महाप्रभु नगर की तरफ जाकर, रामजीभाई के घर पर निवास किये थे। भवन में वर्णीने सुंदर भोजन बनाये थे। भक्तगणो के कल्याण के लिये भोजन करके साधुओ को अच्छा भोजन कराये थे । गाँव के कुछ लोग द्वेष भाव रखने वाले लोग भी थे। वैश्य लोग स्वामिनारायण के पास आकर वाद-विवाद करने लगे थे। और बोले हे स्वामिनारायण यदि आप भगवान है तो। हम लोगो को अभी अपना चमत्कार दिखाये । ऐसी बात सुनकर महाप्रभु उन लोगो से बोले हम आप लोगो को चमत्कार नही दिखायेगे । लेकिन आप लोगो के धर्मगुरु आप को चमत्कार दिखायेगे । ऐसी भविष्यवाणी करके नारायणमुनि भगवान तथा भक्तजनो की पूजा-अर्चना किये। वहाँ से डांगरवा के लिये प्रस्थान कर गये।

श्री स्वामिनारायण भगवान के चरण पावन प्रसादी के गाँव

मेऊ

- अहमदाबाद कालुपुर मंदिर से सडक द्वारा १ घंटे ५० मिनट
- अहमदाबाद विमान अड्डे से १ घंटे १९ मिनट

– शास्त्री स्वामी
नारायणवल्लभदासजी (वडनगर)

उत्तर गुजरात में स्थित मेऊ गाँव लाघणज के पास स्थित है । अहमदाबाद से गांधीनगर होकर विसनगर हाईवे उपर होकर गोजारिया से बस द्वारा मेऊ गाँव जा सते है । अहमदाबाद से लगभग ६० कि.मी. दूर पर यह गाँव स्थित है । यहाँ पर सुंदर नयनरम्य हरिमंदिर स्थित है । मंदिर श्री नरनारायणदेव गद्दी के अर्न्तगत आता है । मेऊ गाँव में श्रीजी महाराज कई बार पधारे थे । मेऊ के भूषणदास भावसारने श्रीहरि की अच्छी सेवा किये थे । तथा अलौकिक लाभ उठाये थे । सम्प्रदाय मै मेऊ गाँव का नाम अच्छे से लिया जाता है । यहाँ पर भावसार और क्षत्रिय हरिभक्त लोग निवास करते है।

श्रीजी महाराज दंढाव्य देश का विचरण करते समय बसई गाँव से मेऊ गाँव में पधारे थे । यह समाचार सुनकर भूषण भक्त उनके पुत्र तुलसी, मंछाराम, उनके पुत्र भवान आदि सभी हरिभक्त तथा स्त्री हरिभक्त हाथ में पूजा की सामग्री लेकर, बाजा बजाते, कीर्तन करते श्रीहरि के पास गये । भक्तगण भगवान का दर्शन करके अति खुश हो जाते थे । श्रीहरि की अनेक प्रकार के पूजा सामग्री से पूजा करते थे । श्रीहरि अश्व पर बिराजमान थे । सभी भक्तो से धिरे हुए थे । कीर्तन और जयनाद से गाँव मे पधारे रहे थे । श्रीहरि जब मार्ग पर चलते थे । उस समय कुबुद्दि वाले भी

मार्ग पर चलते थे । वह मन ही मन जलते थे । वे लोग कहने लगे कि ये स्वामिनारायण गलत-गलत वाह्य आडम्बर करते है । इनकी नजर में जादु भरा है । इनका विश्वास कभी नही करना चाहिए । यह सुनकर श्रीहरि बोले क्यो बकवास कर रहे हो ? उन्होने कहा आप लोग भगवान की पूजा करते है । तो कोई कुछ नही बोलता है । भगवान कहते है कि संसार में ऐसे भी भाग्यहीन भी रहते है । यह बोलते हुए श्रीहरि अपने भक्तो के साथ सभी को दर्शन का लाभ देते हुए । एक बरगद के वृक्ष के नीचे आ गये । घोडे से उतर कर मंच पर बिराजमान हुए । आगे संत वर्णी, पार्षद, सद्गृहस्थ तथा अन्य लोग बैठ गये । दयालु महाप्रभु के सामने बैठे भक्तजनो ने स्वस्वरुप के ज्ञान का उपदेश दे रहे थे । तभी भूषण भक्त श्रीहरि कृष्ण को भोजन के लिये प्रार्थना कर रहे थे । महाराजजी भूषण भक्त के घर आये । वर्णी तैयार भोजन को भगवान को अर्पण किये । उसको वे स्वंय खाते थे । श्रीहरि जब भोजन कर रहे थे । तो मुकुंदव्रणीने जल से उनका स्वागत किये थे । इसके पश्चात संतो के स्वामी भोजन करके संतो को भोजन परोस कर खिलाये थे । हाथ में घी से बना मालपूवा लेकर आग्रह करके खिलाते थे । थोडा आराम भी करते थे । तभी स्वामिनारायण महाप्रभु भूषण भक्त को उदास अवस्था में देखे । कृपावाणी से पूछे आप के यहाँ संतो का आगमन हुआ है । फिर भी आप उदास क्यो है ? भूषण भक्तने कहा, हे महाप्रभु, हे नारायण स्वामी, सुने, हमारे यहाँ समयावादी पूर्ण करके बालिका का जन्म हुआ है । उसके शरीर के अंग परिपूर्ण नही है । केवल विगडा रुप है । इसी कारण से हम उदास है । भक्त की ऐसी बात सुनकर श्रीहरिने भक्तो की आश्वासन के मधुर शब्द बोले, आप बेटी को हमारे पास लाये । भूषण भक्त कपडे में रखकर बच्ची को पास ले आये । उस बच्चे का हाथ-पैर तथा अन्य अंग विसकित नही थे । उसको स्पर्श करके बोले । इसके सभी अंग सुदंर हो जायेगे । सभी अंग सुंदर हो

(पेईज नं. १७)

श्री स्वामिनारायण म्युझियम

श्री स्वामिनारायण म्युजियम के द्वार से

श्री स्वामिनारायण म्युजियम में पंजीकृत श्री महाविष्णुयाग की सूची-अगस्त-२०२३

ता. ०४-०८-२०२३	प.भ.श्री निकुल डाह्याभाई चौधरी – बालवा
ता. ०५-०८-२०२३	प.भ.श्री भाईलालभाई शिवाभाई पटेल –विमल ग्रुप – ह. चिराग, दर्शन, मिलन – सोजा–डीसा
ता. ०६-०८-२०२३	(प्रात:) श्री नरनारायणदेव युवक मंडळ – घाटलोडिया (११ बजे) श्री रेवतीजी महिला मंडळ – जेतलपुर – ह. सांख्ययोगी बचीबा तथा नर्मदाबा (३ बजे) श्री नरनारायणदेव महिला मंडळ, साबरमती–वावोल
ता. १२-०८-२०२३	प.भ.श्री देवर्षि मुकेशभाई ठक्कर – वस्त्रापुर
ता. १३-०८-२०२३	(प्रात:) श्री स्वामिनारायण मंदिर (बहनोका दरबारगढ) – मोरबी – ह. सांख्ययोगी राजकुंवरबा एवमं उषाबा (११ बजे) श्री नरनारायणदेव महिला मंडळ – कर्मशक्ति – नवा नरोडा
ता. १४-०८-२०२३	प.भ.श्री सविताबेन जयंतिभाई पटेल – डांगरवावाळा हा. गांधीनगर
ता. १५-०८-२०२३	श्री नरनारायणदेव महिला मंडळ – कालुपुर (हवेली)
ता. १९-०८-२०२३	प.भ.श्री प्रमोदभाई बालमुकुंद दवे – मुंबई – प्रेरणा : स्वामी नारणप्रसाद महंतश्री महेसाणा
ता. २०-०८-२०२३	श्री नरनारायणदेव महिला मंडळ – कालुपुर
ता. २४-०८-२०२३	प.भ.श्री शैलेषभाई गोविंदभाई पटेल – मोखासणवाला
ता. २५-०८-२०२३	अ.नि. शारदाबेन गोविंदभाई पटेल (भगत) – कालीगाम – ह. विणाबेन रतिलाल पटेल – पोर
ता. २६-०८-२०२३	सत्संग समाज स्वामिनारायण मंदिर जुना–राणीप
ता. २९-०८-२०२३	सत्संग समाज स्वामिनारायण मंदिर लालोडा, ता. ईडर – प्रेरणा : शास्त्री स्वामी विश्वप्रकाशदासजी

श्री स्वामिनारायण म्युजियम में पंजीकृत श्री दान-भेट की सूची-अगस्त-२०२३

रू।. ५१,०००/-	प.भ.श्री कांतिभाई कचराभाई चौधरी – बालवा – वर्त. अशोकभाई कांतिभाई चौधरी – श्रीहरि प्रसन्नार्थे।

श्री स्वामिनारायण म्युजियम में गणेश पूजा

श्री स्वामिनारायण म्युजियम में प्रति वर्ष की तरह हो गणेश चतुर्थी दि. १९-०९-२०२३ दिन मंगलवार प्रात: १०-३० बजे प.पू. बड़े महाराजश्री के करकमलो द्वारा गणपतिजी की पूजा की जायेगी

शुभ प्रसंग पर भेंट देने के योग्य अथवा व्यक्तिगत संग्रह के लिये – श्री नरनारायणदेव की प्रतिमा वाला ५/१०/२० ग्राम चांदी का सिक्का म्युजियम में प्राप्त होता है।

सूचना :श्री स्वामिनारायण म्युजियम में प्रति पूनम को प.पू. मोटा महाराजश्री प्रात: ११-३० को आरती उतारते हैं।

સંપ્રદાયમાં એક માત્ર વ્યવસ્થા શ્રી સ્વામિનારાયણ મ્યુઝિયમમાં મહાપૂજા / મહાભિષેક નોંધાવવા સંપર્ક કરો.

મ્યુઝિયમ મોબાઈલઃ- ૯૮૭૯૫૪૯૫૯૭, પ.ભ. પરષોત્તમભાઈ - દાસભાઈ (બાપુનગર) : ૯૯૨૫૦૪૨૬૮૬

www.swaminarayanmuseum.org/com • email: swaminarayanmuseum@gmail.com

(प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री के आशीर्वचन में से)
एकादशी सत्संग सभा में (कालुपुर मंदिर हवेली)
"चैतन्य" और जड का अन्तर
(संकलन : कोटक वर्षा नटवरलाल - घोडासर)

हमें सत्संग की सभा में क्या समझ रखना है । जड और चेतना का अन्तर समझना है । आत्मनिष्ठा का विकास करना है । आत्मा चैतन्य है । शरीर जड़ है । आत्मा शुद्ध है । शरीर नरक समान है । आत्मा अविनाशी है । शरीर नाशवान है । आत्मा आनंद स्वरुप है । शरीर दुःख रुप है । इस प्रकार आत्मा को शरीर से अलग समझना है ।

माया वास्तव में सत्य नही है । लेकिन सत्य का आभास कराती है । सत्य जैसा बोलती है . जब परमात्मा अखंड, शाश्वत अपरिवर्तन शील और स्थायी है ।

उदाहरण स्वरुप बृक्ष पर फूल, पुनः कच्चा फल तत्पशाचत पका फल होता है । इसी प्रकार माँ के पेट में जब जीव'' आता है । उसी समय से उसमें परिवर्तन चालु रहता है । बाल्यावस्था, युवावस्था, पौढावस्था, वृद्धावस्था इस प्रकार मृत्युतक परिवर्तन होता रहता है । यह स्थायी नही रहता है ।

'परमात्मा' शाश्वत है । इस में परिवर्तन नही आता है । आत्मा शाश्वत है । यही अन्तर समझना है । में शुद्ध आत्मा हूँ । शरीर नही यह बात समझने से विषय के प्रति आसक्ति नही आती है ।

लेकिन हम लोग शरीर को शाश्वत मान लेते है । यही पर तकलीफ है । शरीर के उपर अपना अधिकार नही है । यहि है तो वृद्धावस्था नही होनी चाहीए । किसी प्रकार का रोग नही होना चाहिए । शरीर के उपर अपना अधिकार नहीं चलता है । इसमें प्रतिक्षण परिवर्तन होता रहता है । क्षण-क्षण यह शरीर समाप्त हो रही है ।

बालक के जन्म लेने के बाद एक वर्ष बाद हम सभी जन्मदिन मनाते है । खुश होते है कि एक वर्ष का हो गया । वास्तव में जीवन के एक वर्ष समाप्त हो गये ।

शरीर का संयोग एवम् वियोग की स्वभावना है । यह परिवर्तनशील है । इसे स्थायी समझना असत्य है । शाश्वत मान लेते है । यह अन्तर अधिक बारीक है । यह समझने के लिये । सदैव सत्संग की भावना बनी रहनी चाहिए । तभी शरीर और आत्मा का अंतर समझ में आयेगा । सत्संग स्थायी नही रहने पर यह साथ छूट जाता है । सब ज्ञान समाप्त हो जाता है । मयावरण ढक लेता है ।

ज्ञान सीसे के समान है । उसी सावधानी पूर्वक रखना पडता है । सीसे की गिलास में यदि दूध है तो गिर जाये, तो दूध उठाना सम्भव है ? देह की आत्मा का ज्ञान समाप्त हो जाता है । इस लिये ज्ञान को सावधानी पूर्वक रखना चाहिए ।

यह ज्ञान चले जाने पर ? मैं आत्मा हूँ जो प्रत्यक्ष भगवान मिले है वे परमात्मा है । इसके ज्ञान के द्वारा ही भगवान मिल सकते है ।

इस प्रकार जो वस्तु नाशवान है । नित्य नही है । सत्य का आभास कराती है । उसका चिंतन करने से उससे मोह करने से हाथ में कुछ नही आता है । जीवन का सभी कर्म व्यर्त चला जाता है ।

शाश्वत और माया का ज्ञान होगा । तभी भगवान का चिंतन कर सकते है ।

भगवान कितने दयालु है । यह हमें विपरीत काल में ही समझ में आता है । जीवन में कई बार ऐसा होता है कि यदि भगवान की कृपा नही रही होती तो हम इस कष्ट से बाहर नही आ सकते थे । लगता है । भगवान ने ही रक्षा किया था । सभी को ऐसा अनुभव अवश्य मिलता है । भगवान के पास कितनी करुणा है । हमे यह सत्संग प्राप्त हुआ है । धीरे-धीरे सब कुछ मिलता है । तो सब प्रकार की चिंता छोडकर भगवान का चिंतन करते रहना चाहिए । इससे अपना बेडा अवश्य पार होगा ।

श्रावण सुद-१५ पूनम को (रक्षाबंधन) सत्संग सभा ठाकुरजी का थाल संत हरिभक्तो की रसोई के यजमानश्री प.भ.श्री भाईलालभाई अंबालाल पटेल, प.भ.श्री गणपतभाई अंबालाल पटेल, प.भ.श्री दशरथभाई अंबालाल पटेल परिवार (मोटेरा)

ध्वजा के यजमानश्री
प.भ. प्रवेशभाई मणीभाई सोनी (मांडलवाले)

सत्संग समाचार

श्रावण महिने में धर्मकुल के साथ श्री नरनारायणदेव के दर्शन के लिये पैदलयात्रा का आयोजन

प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्री और समस्त बहनो की गुरु प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री के शुभ संकल्प से पवित्र श्रावण महीने में अहमदाबाद शहर तथा बाह्य क्षेत्र के गाँव के समस्त हरिभक्त ने भरतखंड के राजाधिराज परमकृपालु श्री नरनारायणदेव के दर्शन को दि. २७-०८-२०२३ श्रावण सुद-११ रविवार को पैदलयात्रा का आयोजन किया गया था । इस में हजारो की संख्या में संत-हरिभक्त छोटे-बच्चे एवम् वृध्ध लोग पैदलयात्रा में भाग लिये थे । उस पैदलयात्रा विशेषता थी कि मेमनगर श्री स्वामिनारायण बाग से प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री, प.पू. लालजी महाराजश्री अहमदाबाद मंदिर के पू. महंत स्वामी तथा ब्रह्मचारी स्वामी तथा अन्य संतोने भाग लिया था । और प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री परदे में सांख्ययोगी बहनो के साथ पदयात्रा में भाग ली थी । श्री नरनारायणदेव का श्रृंगार आरती दर्शन के बाद सभा मंडप में प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्री प्रासंगिक सभा में भाग लेने वालो को आशीर्वाद प्रदान किये थे । पैदलयात्रियो को नास्ता तथा नास्ता के यजमान प.भ. चंद्रकांतभाई गोविंदभाईप टेल (पिन्टुभाई कोठावाले), प.भ. प्रविणभाई नटवरभाई पटेल (सेडलावाले) परिवार रहा था । सभी पैदलयात्रियो को अहमदाबाद मंदिर द्वारा सुंदर फलहार दिया गया था । पू. महंत स.गु. शा. स्वा. पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी और संत मंडल द्वारा इस अवसर पर सुंदर व्यवस्था की गयी थी ।(कोठारी शा.स्वा. नारायणमुनिदासजी)

अहमदाबाद मंदिर द्वारा आयोजित (शीलज, थलतेज, बोडकदेव, साईससीटी) सिंधु भवन में रात्रीय पारायण

भरतखंड के राजाधिराज श्री नरनारायणदेव की परमकृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा एवम् पूरे धर्मकुल के आशीर्वाद से अहमदाबाद मंदिर के महंत स्वामी पू. सगु. शा. स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी की प्रेरणा मार्गदर्शन से अहमदाबाद में समृद्ध रमणीय ऐसे पश्चिम क्षेत्र में थलतेज, बोडकदेव, शीलज और साईंससीटी क्षेत्र में निवास करने वाले हजारो हरिभक्तो को पवित्र श्रावण महीने में कथा का लाभ मिले । तथा समय सारिणी के अनुसार रात्रि ८-३० से १०-३० बजे दि. २८-०८-२०२३ से दि. ०३-०९-२०२३ तक सम्प्रदाय के सुप्रसिद्ध युवक कथाकार संत पूज्य स.गु. शास्त्री स्वामी रामकृष्णदासजी (कोटेश्वर गुरुकुल) के वक्तापद से श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण संगीत के मधुर आवाज के साथ कथामृत का पान कराया गया था । पूरे क्षेत्र के हजारो हरिभक्त पवित्र श्रावण मासमें कथा का रसपान करके धन्य हुए । कथा के मध्य धाम से आये संतगण एवम् अग्रगण्य धार्मिक तथा राजनितिक महानुभाव लोग आकर कथामृत का लाभ लिये थे । इस अवसर पर के यजमान में पोथीयात्रा के यजमान प.भ. हरिभाई सागरभाई ठक्कर, अ.सौ. उर्मिलाबेन हीराबाई ठक्कर परिवार (थलतेज) रहे थे । दैनिक सेवा के कई यजमान सेवा दिये थे । कथा के मध्य पू. महंत स.गु. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी कथा में प्रतिदिन आते थे । तथा धामो से संत आकर आशीर्वाद दिये थे । पूरे अवसर के सभापति का सुंदर संचालन कोटा (राज.) मंदिर के पू. कोठारी स.गु.शा. स्वामी. नारायणमुनिदासजीने (अमदाबाद मंदिर) किया था ।(शा. व्रज स्वामी)

अधिक मास में ३० गाँव में सत्संग सभा

अधिक श्रावण मास में प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्री के आज्ञा-आशीर्वाद से और अहमदाबाद मंदिर के पूज्य महंत स.गु. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी के सुंदर प्रबन्ध से सत्संग लक्षीय अनेक सुंदर क्रिया-कालाप श्री नरनारायणदेव देश के ३० गाँवो में अपने संतो द्वारा सत्संग सभा का प्रबन्ध किया गया था । जिस से हरिभक्त अति प्रसन्न हुए थे । प्रत्येक इससे प्रेरणा और बल प्राप्त हुआ । इस प्रकार आगामी कई कार्यक्रम किये जायेगे । वह पत्रिका में बताया जायेगा ।

(१) मेढा (२) कुंडाल (कडी) (३) भाऊपुरा (४) खेरोल (५) कुडासण (गांधीनगर) (६) इसंड (कलोल) (७) झूंडाल (८) सरढव (९) लुणावाडा (पंचमहाल) (१०) मुबारकपुरा (गांधीनगर) (११) ईश्वरपुरा (चौधरी) (१२) डांगरवा डाभी (१३) सोनारडा (दहेगाम) (१४) आकृन्द (१५) साणंद (१६) रायसण (गांधीनगर) (१७) अंबापुर (गांधीनगर) (१८) बिलोदरा (माणसा) (१९) बदपुरा (२०) गवाडा (२१) मोखासण (२२) धमासणा (२३) राणीपुरा (२४) साईंससिटी (अहमदाबाद) (२५) कडी (अनमोलवीला) (२६) बहियल (बाकरोल) (२७) लवारपुर (२८) वरसोडा (२९) बीजापुर (३०) उनावा

जेतलपुरधाम में अधिक मास में पाटोत्सव मनाया गया

संकल्प सिद्ध परमकृपालु श्री रेवती बलदेवजी हरिकृष्ण महाराज की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा एवम् पूरे धर्मकुल परिवार की कृपा से एवम् स.गु. पू. महंत शा. स्वा. आत्मप्रकाशदासजी तथा स.गु. पू. पी.पी. स्वामी की प्रेरणा मार्गदर्शन में तथा पू. महंत स्वामी के.पी. स्वामी के अच्छे प्रबन्ध से पवित्र श्रावण मास के वद अधिक मास ८ आठम के शुभ अवसर पर श्री रेवती बलदेवजी हरिकृष्ण महाराज का पाटोत्सव प.भ. सुरेशभाई मफतलाल ठक्कर, अ.नि. ज्योत्सनाबेन सुरेशभाई ठक्कर परिवार वर्त. तेजेन्द्रभाई, अभिषेकबाई, सहज और निहिरा (कलोलीवाले) की तरफ से मनाया गया था । ठाकुरजी को ब्र.

पूजारी स्वामी पूर्णानंदजी आदि संतो द्वारा सुंदर षोडशोपचार और अन्नकूट आदि किया गया था । सभा का संचालन शा. ब्र. स्वामी हरिस्वरुपानंदजी (जेतलपुर)ने किया था । प्रासंगिक सभा में पू. शा.पी.पी. स्वामी ने यजमान परिवार के सेवा को सम्मानदेकर आर्शीवाद दिये थे । इस अवसर पर हजारो हरिभक्तोने दर्शन का लाभ लेकर धन्य हुए ।(शा. भक्तिनंदन स्वामी)

श्री स्वामिनारायण म्युजियम में पवित्र श्रावण मास में नारणपुरा मंदिर और जेतलपुर मंदिर द्वारा श्रीमद् सत्संगिजीवन रात्रीय कथा पारायण

परमकृपालु श्री नरनारायणदेव की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा से एवम् प.पू. बड़े महाराजश्री के आशीर्वाद से पवित्र श्रावण मास में जेतलपुर और नारणपुरा मंदिर द्वारा श्री स्वामिनारायण म्युजियम में प्रसादीभूत हॉल में जेतलपुर-नारणपुरा मंदिर के महंत स्वामी पू. शा. स्वामी आत्मप्रकाशदासजी की प्रेरणा से एवम् मार्गदर्शन में ता. २०-८-२३ से ता. २६-८-२३ के बीच रात्रि ८-३० से १०-३० बजे तके श्रीमद् सत्संगिजीवन कथा सम्प्रदाय के प्रसिद्ध कथाकार पू. स.गु. शा. स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजीके वक्तापद से संगीतमय वातारण में पूर्ण की गयी । जिसके यजमान प.भ. रामभाई पटेल परिवार - ह. राजेन्द्रभाई पटेल (माणसा) तथा गं.स्व. अंबाबेन भोलाभाई पटेल - वर्त. जगदीशभाई भोलाभाई पटेल (आमजा) आदि परिवार थे । पूरे कथा के मध्य जेतलपुर मंदिर के महंत स्वामी स.गु. के.पी. स्वामी और नारणपुरा मंदिर के महंत स्वामी विश्वप्रकाशदासजी ने सुंदर प्रबन्ध किये थे । पूरे प्रसंग में पू. शा. भक्तिनंदन स्वामीने सभा का सुंदर संचालन किये ते । नारणपुरा क्षेत्र के प्रेमी भक्त के आगमन से हाल पूरा भर जाता था । प.भ. दासबाई और उनकी टीमने सुंदर सेवा दिये थे । (शा.स्वा. भक्तिनंदनदास - जेतलपुर)

मेमनगर भक्तिनगर में स्वरुप चिंतामणी रात्रीय पारायण

श्री नरनारायणदेव की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा से एवम् पूरे धर्मकुल के आशीर्वाद के साथ अहमदाबाद मंदिर के महंत पू. स.गु. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी की प्रेरणा मार्गदर्शन में मेमनगर-भक्तिनगर अपने श्री स्वामिनारायण मंदिर में पवित्र श्रावण मास में यहाँ पर हरिभक्तो का कथा श्रवण का लाभ मिले । इस शुभ उद्देश्य से ता. १८-८-२३ से २२-८-२३ को रात्रि ८-३० से १०-३० बजे तक श्रीहरि को अतिशय प्रिय ''श्री स्वरुप चिंतामणी'' ग्रंथ की रात्रीय पारायण नारणघाट मंदिर के युवक महंत स्वामी शा. स्वामी दिव्यप्रकाशदासजी के वक्तापद से की गई थी । इसके यजमान प.भ. काशीरामभाई शंकरभाई पटेल, अ.नि. नटवरभाई गंगारामभाई पटेल, अ.नि. गंगारामभाई महादेवभाई पटेल, अ.नि. वालीबेन गंगाराम पटेल, प.भ. लालजीभाई रणछोडभाई पटेल, प.भ. रुखीबेन लालजी पटेल, अ.नि. कांतिलाल मलूकचंद फीचडीया और प.भ. रंजनबेन फीचडिया परिवार रहा था । कथा के मध्य अहमदाबाद मंदिर के पू. महंत शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी और धाम से आये अनेक पू. संत और अग्रगण्य हरिभक्त पधारकर कथामृत का पान किये थे । मेमनगर के हजारो हरिभक्त सुंदर कथा का लाभ लेकर धन्य हुए । ता. २२-८-२३ के दिन कथा की पूर्णाहुति के अवसर पर प.पू. लालजी महाराजश्री पधारे थे । पूरे काल में सभापति का स्थान स.गु. कोठारी शा. स्वामी नारायणमुनिदासजी (कोटा) ने शोभा बढाये थे ।(कोठारीश्री मेमनगर मंदिर)

श्री स्वामिनारायण मंदिर एप्रोच बापुनगर श्रावण मास में अधिक सत्संग महापूजा

परमकृपालु श्री नरनारायणदेव की परमकृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा तथा पूरे धर्मकुल के आशीर्वाद से तथा अ.नि.पू. भंडारी दादा स.गु. स्वामी जानकीवल्लभदासजी की दिव्य प्रेरणा से और स.गु. महंत स्वामी धर्मस्वरुपदासजी और युवक मंडल के अच्छे प्रबन्ध से श्री स्वामिनारायण मंदिर एप्रोच-बापुनगर में ता. १८-८-२३ से १५-९-२३ तक शा. स्वा. भक्तिकिशोरदासजी के वक्ता पद से सत्संगिजीवन तथा महंत शा. स्वा. वासुदेव स्वामी के वक्ता पदे से श्रीहरिस्मृति की कथा एप्रोच महिला मंडल के यजमान पद से हुई ता. ३१-७-२३ के दिन अधिक पाटोत्सव के अर्न्तगत श्री घनश्याम महाराज का षोडशोपचार पूजन अभिषेक तथा अन्नकूट का प्रबन्ध किया गया था । ता. २०-८-२३ को श्री घनश्याम महाराज का पूजन, केशरजल से स्नान, धारी का अन्नकूट तथा समूह महापूजा का आयोजन किया गया था । दो महीने तक झूला उत्सव इन दिनो में प.पू. महाराजश्री पधारकर हिंडोला का दर्शन, समूह महापूजाकी महा आरती निज मंदिर में आरती तथा हरिभक्तो को रसोई में पधरामणी करके सभा में विराजित निकोल नूतन मंदिर के निर्माण के लिये सभी को आशीर्वाद दिये थे । स.गु. महंत शा. स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी (कालुपुर) ने प्रसंगोचित प्रवचन दिये थे ।

इस अवसर पर नवीन मंदिर के लिये कई हरिभक्त सेवा के लिये तत्पर हो गये । एप्रोच मंदिर द्वारा कुल ५४०० फुट (१ फुट का रु।. २०४००) की सेवा देने की घोषणा किये । भोजन प्रसाद की अच्छी व्यवस्था की गयी थी ।(गोरधनभाई वी. सीतापरा)

भाभर (बनासकांठा) गाँव में श्रीमद् सत्संगीजीवन पंचान्ह पारायण

परमकृपालु श्री नरनारायणदेव की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा एवम् प.पू. बड़े महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्री एवम् समस्त धर्मकुल के कृपा से एवम् पू. स.गु. महंत शास्त्री स्वामी हरिकृष्णदासजी (कोटा), अहमदाबाद मंदिर के महंत स्वामी पू. स.गु. शा. स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी की प्रेरणा मार्गदर्शन से और पू. सद्. कोठारी शास्त्री स्वामी नारायणमुनिदासजी (अम-कोटा) के सुंदर प्रबन्ध से बनासकांठा भाभर के हरिभक्तो के सुंदर प्रबन्ध से पवित्र श्रावण मास में ता. २४-८-२३ से ता. २८-८-२३ तक सम्प्रदाय के प्रसिद्ध कथाकार पू. सद्. शास्त्री स्वामी रामकृष्णदासजी (कोटेश्वर-गुरुकुल) के वक्ता पद से श्रीमद्

सत्संगिजीवन रात्रीय पंचान्ह पारायण पूर्ण किया गया था। जिस में बनासकांठा क्षेत्र के हजारो भाईयो एवम् बहनोने कथा श्रवण का लाभ लिया । अहमदाबाद मंदिर के पू. महंत शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी संत मंडल के साथ आकर सभा में आशीर्वाद दिये थे। पू. शा. स्वा. नारायणमुनिदासजी और स्वामी गोपालचरणदासजीने सभा का सुंदर संचालन किये थे । (नरनारायणदेव युवक मंडल - भाभर)

वडनगर श्री स्वामिनारायण मंदिर में भागवत कथा तथा पाटोत्सव मनाया गया

ऐतिहासिक नगरी वडनगर में आये श्री नरनारायणदेव गद्दी के अर्न्तगत श्री स्वामिनारायण मंदिर में प.पू.ध.धु. आचार्य श्री कोशलेन्द्रप्रसादजी महाराजश्री के शुभ आशीर्वाद से श्रीजी महिला मंडल की तरफ से ता. ९-८-२३ से १३-८-२३ तक श्रीमद् भागवत कथा का महंत शास्त्री स्वामी नारायणवल्लभदासजी के वक्ता पद का आयोजन किये थे। साथ ही साथ श्रीजी महिला मंडल वडनगर द्वारा श्री घनश्याम महाराज का पाटोत्सव भी ता. १३ अगस्त रविवार को मनाया गया था । इस अवसर पर श्री ठाकुरजी का अभिषेक तथा अन्नकूट मनाया गया था। इस भागवत कथा का अधिक मास में नगरजन सुनकर धन्य हुए थे । इस अवसर पर पटेल उमाबेन, पटेल रमाबेन, पटेल मीनाबेन, भावसार माधुरीबेन, भावसार कंचनबेन, पटेल सुनिताबेन (कच्छी), भावसार नयनाबेन, ललिताबेन भावसार, दक्षाबेन इत्यादि श्रीजी महिला मंडल वडनगर की बहनोने उत्साह पूर्वक मनाये थी । सभा का संचालन कोठारी शास्त्री स्वामी विश्वप्रकाशदासजी किये थे । आभार विधि ट्रस्टीश्री नवीनभाई, भावसार भालचंद्रभाई, भावसार नटुभाई, भावसार हमुशभाई तथा पटेल कालीदासभाईने किया था।

सापावाडा श्री स्वामिनारायण मंदिर में अधिक मास में समूह महापूजा

परमकृपालु श्री नरनारायणदेव की परम कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा एवम् प.पू. बड़े महाराजश्री तथा प.पू. लालजी महाराजश्री तथा पूरे धर्मकुल की कृपा से श्री स्वामिनारायण मंदिर सापावाडा में पवित्र अधिक श्रावण मास ता. २१-७-२३ के दिन ठाकुरजी के समक्ष महापूजन का प्रबन्ध किया गया था । यह व्यवस्था यहाँ के महंत स्वामी अनिरुद्धचरणदासजी (मूली) और संत मंडल द्वारा किया गया था। इस में हरिभक्त सजोडे में बैठकर महापूजा का लाभ लिये थे। प.भ. डॉ. हरिकृष्णभाई, प.भ. मूलजीभाई, प.भ. ईश्वरभाई पटेल (कालुपुर मंदिर के केशियरश्री) आदि हरिभक्तो द्वारा प्रेरण सेवा प्रदान किये थे। महंत स्वामी अन्तयंत्र उत्साही है। इस कारण प्राय: भगवान एवम् धर्मकुल की खुश करने के लिये उत्सव मनाते रहते है।(राजु भगत - सापावाडा)

नई दिल्ली श्री स्वामिनारायण मंदिर का पाटोत्सव

गुजरात विहार नई दिल्ली में अपना श्री स्वामिनारायण मंदिर ता. २०-८-२३ के दिन सर्वोपरि श्री घनश्याम महाराज का पाटोत्सव परम पूज्य लालजी महाराजश्री की उपस्थिति में उल्लास पूर्वक मनाया गया था।

प्रात: प.पू. लालजी महाराजश्री के करकमलो द्वारा श्री घनश्याम महाराज का षोडशोपचार महाभिषेक वेद सम्मत रुप से किया गया था । इसके बाद प्रासंगिक सभा में पाटोत्सव के यजमान परिवार को आशीर्वाद दिये थे। इसके बाद अन्नकूट की आरती की गई थी । प्रासंगिक सभा में पू. स.गु. शास्त्री स्वामी जगतप्रकाशदासजी, मथुरा के शा. देव स्वामी और यहाँ मंदिर के महंत श्री योगी स्वामीने प्रेरणात्मक आशीर्वाद दिये थे । पू. लालजी महाराजश्री के साथ कोटारी शा. मुनि स्वामी और हजूरी पार्षद सेवा में जुडे थे।(माधव स्वामी - नई दिल्ली)

श्री स्वामिनारायण मंदिर मोडासा

प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा आशीर्वाद से श्री स्वामिनारायण मंदिर नालंदा-२ मोडासा में अधिक श्रावण मास में स.गु. महंत स्वामी प्राणजीवनदासजी (प्रांतिज) और स्वा. सूर्यप्रकाशदासजी के दशम क्धंध कथा का रसपान कराये थे। भाई एवम् बहन मिलकर ठाकुरजी के समक्ष अनेक प्रकार के हिंडोले बनाकर भगवान का झूलाया गया था। ता. १६-८-२३ अधिक श्रावण वद अमावस्या को ठाकुरजी को अन्नकूट चढाया गया था । श्रावण वद-७ को ठाकुरजी को षोडशोपचार अभिषेक किया गया था। सभी भक्त दर्शन करके धन्य हुए। (के. बी. प्रजापति कोठारी)

मूली प्रदेश के सत्संग समाचार

श्री स्वामिनारायण मंदिर धांगधा (सीता दरवाजा)

श्री स्वामिनारायण भगवान की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा-आशीर्वाद से श्री स्वामिनारायण मंदिर धांगधा (सीता दरवाजा) में श्रावण महीने में रणजीतगढ श्री हरिकृष्णधाम पू. भक्ति स्वामी के संतो मूली श्री राधाकृष्णदेव के दशांश-विशांस के बारे में सुंदर कथा किये थे। साथ में श्री घनश्याम बाल चरित्र की कथा की गई थी। हरिभक्त कथा श्रवण करके अधिक खुश हुए।(अनिल दुधरेजीया)

श्री स्वामिनारायण मंदिर कारोल (ता. चूडा)

मूलीधाम निवासी श्री राधाकृष्णदेव हरिकृष्ण महाराज की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री की आज्ञा से कारोल श्री स्वामिनारायण मंदिर में अधिक श्रावण मास में श्री नरेन्द्रभाई सोनी द्वारा भागवत कथा की गयी । प्रतिदिन धुन और सत्संगि बहनो द्वारा पूर्णाहुति के अवसर पर ठाकुरजी का अन्नकूट किया गया था । गाँव के सभी भक्तो ने सुंदर लाभ लिये थे । (नरेन्द्र केशवलाल सोनी - कोठारी)

विदेश सत्संग समाचार

श्री स्वामिनारायण मंदिर सिडनी - ब्लैक टाउन

श्री स्वामिनारायण भगवान की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री एवम् पूरे धर्मकुल के आशीर्वाद से सिडनी-ब्लैक टाउन में अपने श्री स्वामिनारायण मंदिर में श्रावण मास में बाल मंडल के बालको ने अंगुठी लीला में से प्रेरणा लेकर सुंदर चाकलेट का हिंडोला बनाकर भगवान श्रीहरि को झुलाकर भगवान को खुश किये । और बाल घनश्याम महाराज के लीलारुपी आनंद की कामना करके प्रार्थना किये थे । (प्रितेश केशव - सिडनी)

अहम्दाबाद मंदिर में श्री ठाकुरजी का थाल तथा संतवर्णी पार्षदो की रसोई देने वालो की सूची

अधिक श्रावण सुद-१ प.भ कोकीलाबेन भगुभाई पटेल (चांदखेडा), प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. निरव चंद्रकान्तभाई भावसार (अहमदाबाद), प.भ.अ.नि. शिवजी नानजी वरसाणी (मानकुवा-कच्छ), प.भ. घनश्यामभाई आदरभाई पटेल (मुबारकपुरा), प.भ. श्लोक वासुदेवभाई पटेल (मोखासण). **अधिक श्रावण सुद-२** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ.अ.नि. बिपीनचंद्र घनश्यामप्रसाद जानी (अहमदाबाद). **अधिक श्रावण सुद-३** प.भ. दिव्यकांतभाई आई. शाह (पाटोत्सवना सहयजमान) (अहमदाबाद), प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. महेशभाई वेलजीभाई चौधरी (बदपुरा), प.भ. चंदुभाई कुवरजीभाई गजेरा (सोला), प.भ. राजुभाई (पाटोत्सवना सह यजमान), प.भ. ब्रह्मभट्ट राजुभाई हिराभाई (कलोल). **अधिक श्रावण सुद-३** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), हवेली, प.भ. वल्लभ भगत (मांडवधार), प.भ. भावेशभाई बलदेवभाई चौधरी (बदपुरा). **अधिक श्रावण सुद-४** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. जीगरभाई अशोकभाई जोईताराम पटेल (डांगरवा), श्री नरनारायणदेव महिला मंडल (कालुपुर), प.भ. नंदलालभाई वजुभाई पटोलीया (गांधीनगर), प.भ. कनुभाई करशनभाई (माणसा), प.भ. मनसु जादव राघवाणी (बळदीया-कच्छ), प.भ. भानुबेन धीरजलाल काथरोटीया (चलाला). **अधिक श्रावण सुद-५** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ.अ.नि. सरोजकुमार के. चौहाण (अहमदाबाद), श्री गोपीनाथजी धूनमंडल (सुरत), प.भ.अ.नि. शांताबेन वालजीभाई बालचंददास (गवाडा), प.भ. भरतभाई अमीचंदभाई पटेल (लालोडा), प.भ.अ.नि. घनश्यामभाई सोमाभाई पटेल (सोजा), प.भ. अरूणभाई नारणभाई कानाणी (निकोल), प.भ.अ.नि. रेवाभाई मूलजीभाई पटेल (आकरूंद), प.भ. वर्षाबेन मनोजभाई गज्जर (प्रांतिज), प.भ. नगीनभाई कांतिभाई राणा (अहमदाबाद). **अधिक श्रावण सुद-६** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. रविकांत मस्की परिवार (अहमदाबाद), प.भ.अ.नि. कांतिलाल भाईचंदभाई कोठारी परिवार (अहमदाबाद). **अधिक श्रावण सुद-७** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. चंपाबेन आत्माराम नायक (पानसर), प.भ. विनोदभाई एस. पटेल (अहमदाबाद), प.भ. मौलिनभाई उपेन्द्रभाई अमीन (अहमदाबाद), प.भ. अर्चनाबेन नरेन्द्रभाई पटेल (अलीणा), प.भ.अ.नि. विनोदभाई मोहनलाल धकान (गढपुर). **अधिक श्रावण सुद-८** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. रीनाबेन पटेल (अहमदाबाद), प.भ. कियान सचिन जीवणभाई पटेल (सोजा). **अधिक श्रावण सुद-९** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. मनसुख जादवा राघवाणी (बलदीया-कच्छ), प.भ. भरतभाई चौधरी (माणेकपुरवाला), प.भ. शकरीबेन बबलदास पटेल (वडु), प.भ.अ.नि. मेहुलभाई पटेल (भटासण). **अधिक श्रावण सुद-१०** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. सोनी कृष्णकांत कांतिलाल (साणंद), प.भ. निहित मेहुलकुमार वेकरीया (सुरत). **अधिक श्रावण सुद-११** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर). **अधिक श्रावण सुद-१२** प.भ. काशीरामभाई शंकरभाई पटेल (मेमनगर), प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. ताराबेन गोविंदभाई नाथालाल (उंझा), प.भ. मंजुलाबेन विक्रमभाई पटेल (चांदखेडा), प.भ. गटुबेन कचराभाई माली (संतरामपुर), प.भ. भरतभाई वासुदेवभाई पटेल (अहमदाबाद), प.भ. पथिक दिलीपभाई शाह (अहमदाबाद), प.भ. गोरधनभाई त्रिभुवनदास पटेल (ईटादरा), प.भ. रवि धीरूभाई हडीयल (अहमदाबाद), प.भ. शैलेषभाई मगनभाई पटेल (अहमदाबाद), प.भ. रमेशभाई केशाभाई पटेल (वहेलाल), प.भ. जयश्रीबेन राजेन्द्रकुमार सोनी (अहमदाबाद), प.भ. लीलाबेन रमणभाई पटेल (झुलासण), प.भ.अ.नि. रंजनबेन रमेशभाई पटेल (गामडी), प.भ. निर्मलाबेन चंद्रकांतभाई (चांदखेडा), प.भ. जीगेशभाई जगदीशभाई ठक्कर (विरमगाम), प.भ. अंबालालभाई चतुरभाई नवाब (पोर), श्री रंगमहोल घनश्याम महाराज प्रसन्नार्थे (कालुपुर), प.भ. जयंतीलाल पूंजलदास पटेल (भटादर). **अधिक श्रावण सुद-१३/१४** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), महिला मंडल (साबरमती), प.भ.अ.नि. शारदाबेन मणीभाई पटेल (लसुन्द्रा), प.भ. खुशीबेन हिरेनभाई पटेल. **अधिक श्रावण सुद-१५** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. शर्मिष्ठाबेन रमेशभाई पटेल (मुंबई), प.भ. नटवरलाल सोमचंददास मोदी (सोजा), प.भ. बलदेवभाई विसाभाई पटेल (कोठारी) (डांगरवा), प.भ. देवराजभाई जादवभाई पांभर (राजकोट), प.भ. घनश्यामभाई गोपालभाई पटेल (अहमदाबाद), श्री नरनारायण गृप (एप्रोच), श्रीहरिकृष्ण गृप (एप्रोच), प.भ. रश्मिकाबेन लालभाई पटेल (अंबापुर), प.भ. ख्यातिबेन नटवरलाल चोवटीया (सुरत), प.भ. पटेल सौमिलभाई सुरेशभाई (धमासणा), प.भ. गं.स्व. गोदावरीबेन नाथाभाई नाकराणी (सुरत), प.भ. लालजीभाई मूलजीभाई लकुम (सूर्यनगर), प.भ.अ.नि. पिताश्री वालजीभाई नारण, अ.नि. मातृश्री कानबाई, अ.नि. जगदीशभाई मावजी (सुपर-कच्छ).

अधिक श्रावण वद-१ प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. हिराबेन वेलजीभाई नाथाभाई चौधरी (आमजा), श्री स्वामिनारायण महिला मंडल (मेघाणीनगर), प.भ. उमेशभाई जयंतीभाई पटेल (मेतपुर). **अधिक श्रावण वद-२** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. जेठाभाई वाघजीभाई वरसाणी (सामत्रा-कच्छ), प.भ. पर्व हार्दिककुमार पटेल (अंबापुर), प.भ. शैलेषभाई एन. पूजारा (अहमदाबाद), प.भ. भगवतीबेन काळुभाई टापरीया (सुरत), प.भ. शिवानी महेन्द्रकुमार पटेल (साबरमती), प.भ. भावेशकुमार कनैयालाल जणसारी (अहमदाबाद), प.भ. संगीताबेन रमेशभाई वरसाणी (मिरजापुर-कच्छ). **अधिक श्रावण वद-३**

अहम्दाबाद मंदिर में श्री ठाकुरजी का थाल तथा संतवर्णी पार्षदो की रसोई देने वालो की सूची

प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. पिनाकीनीबेन रजनीकांत भावसार (अहमदाबाद), प.भ. अरविंदभाई एल. सावलीया (अहमदाबाद), प.भ. भुदरभाई भगवानजीभाई विडजा (जूना घाटीला), प.भ. पियुषभाई कांतिभाई पटेल (लालोडा). **अधिक श्रावण वद-४** प.भ.अ.नि. विरजी लालजी वेकरीया (कच्छ), प.भ.अ.नि. मंजुलाबेन नारण राघवाणी, प.भ. उर्वसीबेन परसोतमभाई पटेल (चांपाजाळ), प.भ. उजास महेन्द्रभाई पटेल (मुंबई), प.भ.अ.नि. हरिभाई मरधाभाई पटेल (झुंडाल), प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. कोकीलाबेन नारणभाई पटेल (शिलज), प.भ. मिहीर विनोदभाई पटेल (भावनगर), प.भ. डाह्याभाई हरगोविंददास पटेल (नाना चिलोडा), प.भ. देहल किंजल पटेल (अहमदाबाद), प.भ. जगदीशभाई सुरेशभाई शंकरलाल (अहमदाबाद), प.भ. पटेल गोमतीबेन कांतिभाई (कडी), प.भ. सीताबेन रणछोडभाई पटेल (सांगणपुर), प.भ. शैलेषभाई पटेल (अहमदाबाद), प.भ. नटुभाई परसोतमभाई (राणीप). **अधिक श्रावण वद-५/६** प.भ. जरीबेन गोपालभाई पटेल (नारणपुरा), प.भ. सोनलबेन जयेशभाई (डांगरवा), प.भ. हंसाबेन घनश्यामभाई मीस्त्री (बापुनगर), प.भ.अ.नि. लालजीभाई प्रेमचंदभाई (अहमदाबाद), प.भ. जीतेन्द्रभाई मधुसुदनभाई मोदी (गांधीनगर), प.भ. क्रिश रवि प्रहलादभाई पटेल (कल्याणपुरा), प.भ. केतनभाई दरजी, प.भ. हरिदर्शन लालभाई सोनी (अहमदाबाद), प.भ. वाघेला वर्षाबा ब्रिजराजसिंह (अहमदाबाद), प.भ. सुखाभाई चूडाभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. शरद सुरेशभाई शेलडीया (बापुनगर), प.भ. भगवतीबेन एन. दवे (अहमदाबाद), प.भ. सविताबेन मगनलाल सोनी (अहमदाबाद), प.भ. रमेशभाई नरसीभाई टांक (राजकोट), प.भ. आलाप मुकेशभाई पटेल (अहमदाबाद), प.भ.अ.नि. मूलजीभाई भीमजी हिराणी, प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. नटवरलाल छगनलाल सोनी (कपडवंज), प.भ.अ.नि. वसंतभाई मंगलदास मुखी (मेतपुर), प.भ. रावजीभाई पटेल (झुंडाल), प.भ. बिहोला चंदुजी प्रतापजी (पालज), प.भ.अ.नि. संतोकबेन शंकरभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. बलदेवभाई भीमजीभाई पटेल (अहमदाबाद), प.भ. रंभाबेन माधाभाई पटेल (नगासर), प.भ. कांतिभाई पूंजाभाई पटेल (खेरवा), प.भ. जीतुभाई उमाकान्तभाई पटेल. **अधिक श्रावण वद-७** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), महिला मंडल (बलोल-भाल), प.भ. घनश्यामभाई जीवराजभाई जोबनपुत्रा (राजकोट), प.भ. मंजुलाबेन चंद्रकान्तभाई (उनावा), प.भ. भाविक संजयभाई पटेल (उनावा). **अधिक श्रावण वद-८** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ.अ.नि. शंकरलाल सोमचंदभाई पटेल (मेतपुर), प.भ. जयंतीभाई डाह्याभाई कानजीभाई चौधरी (महादेवपुरा-छाला), प.भ. सुनीलभाई मोलाणी, प.भ. विलासबेन भगवानभाई पटेल (खेरवा-महिसागर), प.भ. जयंतीभाई नरसीभाई पटेल (डेमाई). **अधिक श्रावण वद-९** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ.अ.नि. शैलेषभाई शांतिलाल भावसार (अहमदाबाद), प.भ. चौधरी मेनाबेन डाह्याभाई (ईश्वरपुरा), प.भ. कमलेशभाई पटेल रेतीवाला (अहमदाबाद), प.भ. हसुमतिबेन अरविंदभाई पटेल (अहमदाबाद), प.भ. केयान मयंकभाई कामदार (पोरबंदर). **अधिक श्रावण वद-१०** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. महेन्द्रकुमार शंकरलाल पटेल (डांगरवा), प.भ. घनश्यामभाई रामदास पटेल (करजीसण), प.भ. जसुमतीबेन जयंतीभाई पटेल (अहमदाबाद), प.भ. दक्षेशभाई रमेशभाई पटेल (उनावा), प.भ. रमणभाई जीजीदासभाई पटेल (राणीप). **अधिक श्रावण वद-११** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. पारूलबेन कौशिककुमार पटेल (मोडासा), प.भ. श्रेया विरेन्द्रभाई पटेल (अहमदाबाद), प.भ. रमीला जादवजीभाई वाघाणी (सुपर-कच्छ), श्री राधारमणदेव महिला मंडल (जूनागढ), प.भ. चंद्रकान्त विठ्ठलदास मोदी (माणसा), प.भ. जानुराम जोधाराम चौधरी (वाली-राज.) प.भ. हिराबेन प्रहलादभाई पटेल (देलवाडा), प.भ. भूपेन्द्रभाई बळदेवभाई पटेल (मोटेरा), प.भ. मनजी शिवजी हिराणी (नारायणपर-कच्छ). **अधिक श्रावण वद-१२** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. परसोतमदास त्रिभोवनदास पटेल (भावपुरा), प.भ. रवजी राजाजी वेकरिया (मांडवी-कच्छ), प.भ. उजाश महेन्द्रभाई पटेल (मुंबई), प.भ. शांताबेन भरतभाई पटेल (झुलासण), प.भ. केशवलाल गंगारामभाई (साणंद), प.भ. वसंतीबेन शंकरभाई, शांताबेन जसुभाई (मोटेरा), प.भ. रमेशभाई अंबालालभाई (गवाडा), प.भ. अनीलभाई शशीकांतभाई पटेल (विरमगाम), प.भ. अरविंदभाई वल्लभभाई देवलीया (बापुनगर), प.भ. भरतकुमार गुणवंतलाल सोनी (अहमदाबाद), प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. कौशिकभाई नागजीभाई पटेल (बापुनगर), प.भ. गं.स्व. विदुलताबेन आर. जोशी (अहमदाबाद), प.भ. कांताबेन कृष्णभाई पटेल (नारदीपुर) प.भ. कांताबेन रमणलाल पटेल (महेसाणा), श्री नरनारायणदेव प्रसन्नार्थे - ह. प.भ. शैलेषभाई (अहमदाबाद), प.भ. मोनाबेन विपुलकुमार पटेल (नेत्रामली), प.भ. मनजी शिवजी हिराणी (नारायणपर-कच्छ), प.भ. पोपटभाई गणपतभाई पटेल (ट्रेन्ट), प.भ. शारदाबेन पी., घनश्यामभाई मणीलाल ठक्कर (बावळा), प.भ. नरेशभाई कांतिभाई पटेल (अहमदाबाद) प.भ. मनुभाई माधवजीभाई पटेल (अहमदाबाद) प.भ. पूजाबेन कंसारा (अहमदाबाद), प.भ. संदिपभाई मुकुंदभाई पटेल (सांचोदर), प.भ. बाबुभाई रामजीभाई पटेल (नारणपुरा), प.भ. हसमुभाई नारणदास सोलंकी (अहमदाबाद), प.भ. क्रिना कनुभाई पटेल (अहमदाबाद), प.भ. कल्याणभाई रामजीभाई, प.भ. निल अमितकुमार पटेल (अहमदाबाद), प.भ. बाबुभाई पोपटभाई शिंगाळा (अहमदाबाद), प.भ. लाभुबेन अंबारामभाई (झुलासणा-सारंगपुर), प.भ. जसवंतभाई चिमनलाल ठक्कर, प.भ. जयंतीभाई पटेल, प.भ. हनी विष्णुभाई पटेल (कुडासण), प.भ.

अहमदाबाद मंदिर में श्री ठाकुरजी का थाल तथा संतवर्णी पार्षदो की रसोई देने वालो की सूची

त्रिभोवनदास रघुभाई. **अधिक श्रावण वद-१३** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. उमेशभाई हर्षदभाई कंसारा (अहमदाबाद), प.भ. भगवानभाई एम. कडीया (गांधीनगर), प.भ.अ.नि. हेमलताबेन दिनेशभाई चोकसी (अहमदाबाद), प.भ.अ.नि. रावजीभाई भगाभाई पटेल (झुंडाल), प.भ. लक्ष्मीबेन चंदुभाई पटेल (ईन्दौर), प.भ. वीणाबेन रजनीकुमार पटेल (अहमदाबाद), प.भ. उर्मिलाबेन दिनेशचंद्र पटेल (नरोडा), प.भ. गीताबेन हसमुभाई पटेल (गामडी), प.भ. हरिभाई भुदरभाई बारभाया परिवार (रायपुर-छतीसगढ). **अधिक श्रावण वद-१४** प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. जयंतीभाई बी. पटेल (साबरमती), प.भ. योगेशभाई नवनीतभाई भट्ट(अहमदाबाद), प.भ.अ.नि. परसोतमभाई भगवानदास पटेल (धमासणा), प.भ. देविकाबेन नवीनचंद्र चितारा (अहमदाबाद), प.भ. विष्णुभाई (धुंघट होटलवाळा) (गांधीनगर), प.भ. मयुर रमणलाल परी (अहमदाबाद), प.भ. लक्ष्मीबेन रवजीभाई राबडीया (वाडासर-कच्छ), प.भ. बलदेवभाई मंगलदास पटेल (मोतीपुरा-वेडा), प.भ. लीलाबेन रामाभाई चौधरी (आमजा), प.भ. नानबाईबेन कांतिभाई पटेल (बोपल), प.भ.अ.नि. भीखाभाई गोविंदभाई परमार (अहमदाबाद), प.भ. मुकेशभाई सवजीभाई माणीया (शिलज), प.भ. पारूलबेन ब्रह्मभट्ट परिवार (अमेरिका), प.भ. बेबीबेन जसुभाई पटेल (झुंडाल), गांधीनगर से-२ महिला मंडल. **अधिक श्रावण वद-३०** प.भ. केतनभाई रावजीभाई पटेल (झुंडाल), प.भ. रामुभाई माधाभाई पटेल (अंबापुर), श्रीजी महिला मंडल (आदिश्वरनगर नरोडा), प.भ. चौधरी बाबुभाई मोतीभाई (ईश्वरपुरा), प.भ. हेतल निलिकुमार चांपानेरी (मुंबई), प.भ. अरविंदभाई परसोतमभाई पटेल (रामोल), अ.नि. स.गु. स्वा. घनश्यामप्रकाशदासजी (कल्याणपुरा), प.भ. रेखाबेन एन. मीस्त्री (जीवराजपार्क), प.भ. चमनभाई चतुरभाई मुंजपरा (अहमदाबाद), श्रीहरि प्रसन्नार्थे, प.भ. मालतीबेन सुरेन्द्रभाई (सोजा), प.भ. देव्यानीबेन हरिकृष्ण पटेल (अहमदाबाद), प.भ. रणछोडभाई शंकरभाई पटेल (नारणपुरा), प.भ. भगवतीबेन प्रविणभाई (माणसावाला), प.भ. चिंतन विष्णुभाई पटेल (चांदेडा), प.भ. विष्णुप्रसाद नारणभाई पटेल (अहमदाबाद), प.भ. अमित धीरूभाई देसाई (मुंबई), प.भ. उषाबेन मुकेशभाई पटेल (अहमदाबाद), प.भ. लालजी नारण खेताणी (मदनपुर कच्छ), प.भ. संदिपभाई जानी (अहमदाबाद), प.भ. मंजुलाबेन भगवानभाई पटेल (सोला), प.भ. जगदीशभाई चिमनभाई पटेल (गांधीनगर), प.भ. गीताबेन कनुभाई पटेल (अहमदाबाद), प.भ. शिवजी रत्ना पाधरा (सुखपर-कच्छ), प.भ. नारायणभाई भगत चौधरी (ईश्वरपुरा), हरिॐ परिवार - ह. शैलेषभाई भावसार (सरसपुर), श्री चुमालीस महिला मंडल (चांदखेडा), प.भ.अ.नि. भीखाभाई गोविंदभाई पटेल (डेमाई), प.भ. अमीबेन मणीलाल पटेल (अमेरिका), प.भ.गं.स्व. सरोजबेन कनुभाई चौधरी (शिकागो), आदिश्वरनगर महिला मंडळ(नरोडा).

अक्षरवास

श्री स्वामिनारायण मंदिर-कालुपुर अहमदाबाद के विद्वान व्यवहार कुशलपूर्वक महंत स्वामी (वर्त. कोटा राजस्थान महंतश्री) **पूज्य सद्‌गुरु शास्त्री स्वामी श्री हरिकृष्णदासजी गुरु सद्‌गुरु चितारा स्वामी बलदेवप्रसाददासजी** दि. २४-०८-२०२३ श्रावण सुद-८ गुरुवार के दिन श्रीहरि का अखंड स्मरण करते हुए अक्षरनिवासी हुए है। उनके अक्षरवास से श्री नरनारायणदेव देश के एक विद्वान संत की कमी आयी है। उनका त्रयोदशा - गुणानुवाद सभा दि. १३-०९-२०२३ श्रावण वद-१४ दिन बुधवार को अहमदाबाद कालुपुर मंदिर में रखा गया है।

•

श्री स्वामिनारायण मंदिर-कालुपुर अहमदाबाद के **स.गु. स्वामी प्रेमस्वरूपदासजी गुरु स्वामी माधवप्रसाददासजी (मालपुरवाले)** का अधिक श्रावण वद-३०, दि. १६-०८-२०२३ के दिन श्रीहरि का अखंड भजन स्मरण करते अक्षरनिवासी हुए है।

•

श्री स्वामिनारायण मंदिर-कालुपुर अहमदाबाद के दिवडा कालोनी मंदिर में सेवा पूजा करते **स.गु. स्वामी वासुदेवचरणदासजी गुरु बबा भगत (हजूरी पार्षद)** श्रावण सुद-१४, को दि. ३०-०८-२०२३ के दिन श्रीहरि का अखंड भजन स्मरण करते अक्षरनिवासी हुए है।

संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक : महंत शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी द्वारा, श्री स्वामिनारायण मंदिर, कालुपुर, अहमदाबाद के लिए श्रीस्वामिनारायण प्रिन्टींग प्रेस, श्री स्वामिनारायण मंदिर, कालुपुर, अहमदाबाद (गुजरात) पीन कोड-३८० ००१ से मुद्रित एवं श्री स्वामिनारायण मंदिर, कालुपुर, अहमदाबाद (गुजरात) पीन कोड-३८० ००१ द्वारा प्रकाशित।

भाभर (बनासकांठा) मंदिर में रात्रिय पारायण का लाभ लेते हरिभक्त ।

अधिक मास के अवसर पर श्री स्वामिनारायण म्यूजियम में कथा श्रवण का लाभ लेते हरिभक्तगण ।

वडनगर मंदिर में अधिक मास के अवसर पर अन्नकूट दर्शन ।

अधिक मास के अवसर पर सापावाडा मंदिर में यज्ञ ।

सर्वोपरिधाम छपैया, ब्लेक टाउन सीडनी (आई.एस.एस.ओ.) आस्ट्रेलिया और मथुरा मंदिर में हिंडोला (झूला) दर्शन ।

Registered under RNI - No - GUJHIN/2007/20220 " Permitted to post at
Ahd PSO on 11 the every month under postal Regd. No. GUJ. 581/2021-2023
issued SSP Ahd Valid up to 31-12-2023

शिकागो मंदिर के २५ वे पाटोत्सव के अवसर पर ठाकुरजी का अभिषेक करते प.पू. आचार्य महाराजश्री तथा प.पू. लालजी महाराजश्री और सभा में आशीर्वाद देते प.पू. आचार्य महाराजश्री ।

किवलेण्ड (यु.एस.ए.) मंदिर के १५ वे पाटोत्सव पर ठाकुरजीका अभिषेक करते प.पू. लालजी महाराजश्री ।

पारसीपनी (यु.एस.ए.) के मंदिर में अधिक मास के अवसर पर भागवत कथा पर पोथीयात्रा ।

बोस्टन मंदिर में पाटोत्सव के अवसर पर ठाकुरजी के समक्ष अन्नकूट दर्शन ।

टोरेन्टो मंदिर में पाटोत्सव के अवसर पर अन्नकूट आरती उतारते प.पू. लालजी महाराजश्री ।

Praful Kharsani@gmail.com

SHREE SWAMINARAYAN TEMPLE - KALUPUR

BANK DETAILS FOR ONLINE / CHEQUE DONATION PURPOSE

STATE BANK OF INDIA
NAVRANGPURA BRANCH, AHMEDABAD
BENEFICIARY NAME - SHREE SWAMI NARAYAN MANDIR TRUST
A/C. NO. 62303101798
IFSC : SBIN0003096
MICR CODE : 380 002 029

INDIAN BANK
G S HIGH WAY BRANCH, AHMEDABAD
BENEFICIARY NAME - SHREE SWAMI NARAYAN MANDIR TRUST
A/C. NO. 50379847476
IFSC : IDIB000G523
MICR CODE : 380 019 038

BANK OF INDIA
RELIEF ROAD BRANCH, AHMEDABAD
BENEFICIARY NAME - SHREE SWAMI NARAYAN MANDIR TRUST
A/C. NO. 201310100027259
IFSC : BKID0002013
MICR CODE : 380 013 027

अहमदाबाद श्री स्वामिनारायण मंदिर में श्री नरनारायणदेव आदि देवो की थाल-रसोई की सूची

थाल का विवरण		रसोई
चुरमाकालड्डू	रु. २,०००/-	रु. १०,०००/-
मगशका लड्डू	रु. २,०००/-	रु. १०,०००/-
बूंदी के लड्डू	रु. २,०००/-	रु. १०,०००/-
मोतीचूर के लड्डू	रु. २,०००/-	रु. १०,०००/-
मोहनथाल	रु. २,०००/-	रु. १०,०००/-
मगशपूरी	रु. २,५००/-	रु. १५,०००/-
मालपूवा	रु. २,५००/-	रु. १५,०००/-
खीरपूरी	रु. २,५००/-	रु. १५,०००/-
अडदिया का थाल	रु. २,५००/-	रु. १५,०००/-
साटा का थाल	रु. २,५००/-	रु. १५,०००/-
शीखंड पुरी	रु. ३,५००/-	रु. २०,०००/-
ड्रायफ्रुट हलवा	रु. ३,५००/-	रु. २०,०००/-
बासुंदी पुरी	रु. ३,५००/-	रु. २०,०००/-
खीर-मालपुवा	रु. ३,५००/-	रु. २०,०००/-
गुलाब जामुन	रु. ४,०००/-	रु. २०,०००/-
जलेबी	रु. ४,०००/-	रु. २०,०००/-
मैसुब	रु. ४,०००/-	रु. २०,०००/-
काजू-बदाम मैसुब	रु. ५,०००/-	रु. २०,०००/-
सत्तरधाम का थाल	रु. ३,०००/-	
स्थायी सुरक्षित थाल		रु. १०,०००/-
स्थायी सुरक्षित थाल (सांजमे)		रु. ५,००१/-

ठाकोरजी को शायं का थाल रु. १०००/-

Mo. : 8238001666

श्री नरनारायणदेव के २४ कलाक दर्शन के लीये देखिये वेबसाईट

www.swaminarayan.in

भारतीय समय अनुसार आरती दर्शन : मंगला आरती ५-३० ● शृंगार आरती ८-०५
● राजभोग आरती १०-१० ● संध्या आरती १८-३० ● शयन आरती २०-३०

श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर की ओफिस नंबर

Mo. No. : 82380 01666
WhatSapp No. : 99099 67104